

नवनिर्वाचित वाडअध्यक्ष सपथग्रहण लगले पकड़ाएल

सप्तरी ।
डाक्रेश्वरी नगरपालिका वाड नं. १ क नवनिर्वाचित वाडअध्यक्ष सपथग्रहण लगले पकड़ाएल छैथ । सपथ ग्रहणबाद पदभार ग्रहण कार्यक्रममे सहभागी होबाक लेल पहुँचल धीरेन्द्र कुमार साहकें प्रहरीद्वारा नियन्त्रणमे लेल गेल अइछ । तीन साल पहिने सएह वाडक १९ वर्षिया एक युवतीक अपहरण, जबरजस्तीकरणी आ कर्तव्य जान घटनामे साहके सेहो संलग्नता रहल कहैत पीडित परिवारद्वारा प्रहरीमे उजुरी दर्ता कएल गेल छल । सएह अभियोगमे साह पकड़ाएल जिला प्रहरी कार्यालय सप्तरी जनीलक अइछ । इएह

अगहन १६ गते सम्पन्न भेल उपनिर्वाचनमे साह जनता समाजवादी पार्टी (जसपा) नेपालक दिससँ निर्वाचित भेल छलैथ । प्रहरी उपरीक्षक ढकेन्द्र खतिवडा नवनिर्वाचित वाडध्यक्ष साह उपर अपहरण तथा शरीर बन्धक, जबरजस्तीकरणी आ कर्तव्य ज्यान मुद्दामे अनुसन्धान प्रक्रिया शुरू भेल जानकारी देलैन । प्रहरीक अनुसार साह आ अन्य किछ प्रतिवादीविरुद्ध २०७९ साल साउन १७ गते अपहरण तथा शरीर बन्धक, जबरजस्तीकरणी आ कर्तव्य ज्यान लगायतके अपराध केने उजुरी दर्ता कएल गेल छै । साह सहितके व्यक्तिविरुद्ध २०७९ साल साउन १९ गते

पीडित परिवारद्वारा इलाका प्रहरी कार्यालय कल्याणपुरमे जाहेरी देल गेल छल । तकर बाद साह भागल छलैथ । विसं २०८० साल जेठ १० गते जिला सरकारी वकिल कार्यालय सप्तरीमार्फत इलाका प्रहरी कार्यालय कल्याणपुरमे जाहेरी देल गेल छल । सङे गत साउन १४ गते सेहो इलाका प्रहरी कार्यालय कल्याणपुरमे ओइ मुद्दा दर्ता भेल आ गत साउन १५ गते साहसहितके प्रतिवादीविरुद्ध पकड़ाउ पूर्जी जारी भेल छल । प्रहरी खोजतलास क रहल आ पकड़ाएब से आकलन करैत साह वारेसमार्फत उम्मेदवारी दर्ता करीने छलैथ ।

रास्वपाद्वारा पाँच जिलामे भेला

काठमाण्डू ।
राष्ट्रिय स्वतन्त्र पार्टी(रास्वपा) आइ पाँच जिलामे भेला आयोजन केलक अइछ । पार्टीक सङ्गठन निर्माणक क्रममे रास्वपा आइ कर्णाली, लुम्बिनी, गण्डकी आ बागमती प्रदेशक पाँचटा जिलामे भेला आयोजन क रहल उक्त पार्टीक कार्यवाहक महामन्त्री कविन्द्र बुर्लाकोटी जानकारी देलैन । हुनक अनुसार सल्यान, बाँके, नवलपुर, नुवाकोट आ भक्तपुरमे आयोजना भेल

जिला भेलामे केन्द्रीय प्रतिनिधिक रुपमे केन्द्रीय नेतासभ समेत सहभागी होबाक कार्यक्रम अइछ । भेला पार्टीक संशोधित विधानक साङ्गठनिक संरचनाअनुसार जिला समिति गठन, सङ्गठन निर्माण, अइसँ पहिने जिला समिति संरचना रहल जिलामे खाली पदसभके पदपूर्ति करत से हुनक कहब छैन । तहिना, जिलाभितरके निर्वाचन क्षेत्र, पालिका, वाड सङ्गठन निर्माणसम्बन्धी कार्ययोजनाउपर बातचितके

लेल जिला भेला आयोजन कएल गेल कार्यवाहक महामन्त्री बुर्लाकोटी जानकारी देलैन । ओ पार्टीक केन्द्रीय सङ्गठन विभाग, प्रदेश सङ्गठन विभाग आ जिला सभापतिके समन्वयमे जिला भेलाके आवश्यक तैयारी मिति निर्धारण करब आ जिला भेला आयोजन करबाक काज भ रहल बतौलैन । रास्वपा अइसँ पहिने देशभरैक २३ जिलामे जिला भेला सम्पन्न क चुकल अइछ ।

उडुयन सुरक्षाक लेल सरकार प्रतिबद्ध छै’

काठमाण्डू ।
संस्कृति, पर्यटन तथा नागरिक उड्डयनमन्त्री बक्षीप्रसाद पाण्डे उड्डयन क्षेत्रक सुरक्षा लेल सरकार प्रतिबद्ध रहल बतौलैन अइछ । अन्तर्राष्ट्रिय नागरिक उड्डयन दिवसके अवसरमे आइ एत

आयोजित कार्यक्रममे ओ सुरक्षित आकाश सरकारके पहिल प्राथमिकता भेल बतौलैन । ओ उड़ान सुरक्षित बनेबाक लेल नियमन निकायकेँ निरन्तर सचेत कराएल गेल जानकारी दैत हवाइ दुर्घटनासम्बन्धी

अनुसन्धानक लेल स्थायी आयोग गठनके प्रक्रिया प्रारम्भ भेल बतौलैन । अइ साल ‘टिकाउ भविष्य: अगिला ८० वर्षक लेल सङे’ नाराके साथ अन्तर्राष्ट्रिय नागरिक उड्डयन दिवस मनाएल जा रहल अइछ ।

धनुषा ।
श्री सीताराम विवाहपञ्चमी महोत्सवक लेल जानकी मन्दिरक प्राङ्गणमे विवाहमण्डप बनाएल गेल अइछ । जानकी मन्दिरक प्राङ्गणमे वैवाहिक कार्यक्रमक समय हजारों श्रद्धालुके सहभागिता रहल । जानकी मन्दिरक उत्तराधिकारी महन्त रामरोशन दास वैष्णवक अनुसार एखन विवाहपञ्चमी महामहोत्सवमे करीब २० लाखसँ बेसी दर्शनार्थीसभ सहभागी भेलैथ । लेतायुगक झलक देखबाक लेल नेपाल, भारत आ तेसर देशसँ हजारों दर्शनार्थी जनकपुरधाम आएल छैथ । एखन प्रत्येक ५ वर्षमे अयोध्यासँ आइब रहल बरियाती सेहो आएल अइछ । अयोध्यासँ रामजन्म भूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्टक महासचिव चम्पत राय, अयोध्याके प्रमुख गिरिशपति त्रिपाठी, विश्व हिन्दू परिषद् केन्द्रीय मन्त्री राजेन्द्र सिंह पङ्कज समेत कतेको व्यक्ति बरियातीमे आएल अइछ । जनकपुरधाम स्थित जानकी मन्दिरक प्राङ्गणमे हर साल वैवाहिक कार्यक्रम होइत अइछ । वैवाहिक कार्यक्रमक लेल बेटीक बिआहक लेल जेना मण्डप सजायल जाइत छै, ठीक तहिना रामजानकी विआहक लेल सेहो मण्डप सजायल गेल अइछ । जनकपुरधाम स्थित जानकी मन्दिरकेँ मिथिला दरबारक रूपमे मानल जाइत अइछ, आ राम मन्दिरकेँ अयोध्या दरबारक रूपमे । जानकी मन्दिर आ राम मन्दिरकेँ कनियाँ जेकाँ विवाहपञ्चमीक लेल सिङ्गारल गेल अइछ । जानकी मन्दिरक महन्त रामतपेश्वर



दास वैष्णव कहब छैन जे ओ बेटीके विवाह आयोजन जकाँ अनुभव करैत छैथ । महन्त दासक अनुसार विवाहमे हुनक सीताक पिता राजा जनकक भूमिका होइत छैन । राम मन्दिरक महन्त बाबा राम गिरि सेहो राजा दशरथक भूमिका निर्वाह करबाक लेल कोनो कसर नै छोडैत छैथ । ओ कहलैन, ‘सीताजी जेकाँ दुलहिन भेटलापर हर्ष विभोर होएब स्वाभाविक अइछ ।’ लेतायुगमे अयोध्यानरेश दशरथक पुत्र मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्री राम आ

मिथिलाक शिरध्वज राजर्षि जनकक पुत्री माता जानकीक विवाह भेल छल । मधेश प्रदेशक मुख्यमन्त्री सतिशकुमार सिंह कहैत छैथ जे विवाहपञ्चमी महोत्सवक धार्मिकता, पौराणिकता आ सांस्कृतिक विशेषताकेँ अक्षुण्ण राखबाक लेल एहिप्रतिक आस्था महत्वपूर्ण छियै । ओ कहलाह जे विवाहपञ्चमीक दिन एघार या एक्काइस टा दीपक जराओल जाइत छै, जे जनकपुरधामक घरघरमे विवाहक प्रति श्रद्धा आ अनुष्ठान परम्पराकेँ भव्य बनाबैत अइछ ।

मेलाक देखबा लेल उत्तर प्रदेश राज्यक बोकड़ा घर राहतस्वरूप ५८ वर्षीय भोला यादव कहलैन, ‘जनकपुरधामक नाम सुनल छल, मुदा एखन एहि ठाम आइब क देखलौं, जेकरा तुलना करब ताहिसँ बेसी सुन्दर आ मन प्रसन्न करैवला अइछ ।’ राम मन्दिरक महन्त राम गिरिक अनुसार समधि मिलन कार्यक्रममे जानकी मन्दिरक महन्त, पुजारी आ राम मन्दिरक महन्त, गुठी संस्थानक प्रतिनिधि आ स्थानीय युवा क्लबक सदस्य भाग लैत छैथ ।

एक महिना भितरे एआइ नीति आनब: सञ्चारमन्त्री

काभ्रेपलाञ्चोक ।

सञ्चार तथा सूचना प्रविधिमन्त्री पृथ्वीसुब्बा गुरुङ आब जल्दिए आर्टिफिसिएल इन्टेलिजेन्स् (एआइ) नीति अनबाके बात बतौलैन अइछ । ओ काठमाण्डू विश्वविद्यालयक कम्प्युटर क्लबद्वारा आइ भुलिखेलमे आयोजित ‘आइटी मिट–२०२४’क उद्घाटन करैत एक महिनाभितर एआईक नीति आइन आवश्यक कानुन बनेबाक पक्षमे सरकार क्रियाशील रहल बतौलैन । ‘एआइके कानुनसँ सूचना प्रविधिमार्फत आओर कार्यक्रम आनल जा सकै छै, ताहि लेल मन्त्रालयमे गृहकार्य भ रहल अइछ,’ सरकारक प्रवक्तासमेत रहल मन्त्री गुरुङ कहलैन । नेपाल आइटीक दशकमे प्रवेश कएल भेलोपर एहिसँ



एखनघैर उल्लेख्य फाइदा लेल नै भेल चर्चा करैत ओ विषयविज्ञसभसङ बातचित तथा अन्तरक्रिया क आवश्यक नियम कानुन बना क देशकेँ ‘आइटी हब’ के रूपमे विकास करबाक प्रतिबद्धता व्यक्त केलैन । ओ कहलैन, ‘एआईके जमाना आइब गेलै, एखनघैर नेपालक सब सरकारी

संयन्त्रमे ई–गभर्नेन्स शुरू भ चुकल होबाक चाहै छलै मुदा तेना नै भ सकल, डिजिटल नेपाल फ्रेमवर्कके लेल सेहो एआईसम्बन्धी कानुन यथाशक्य जल्दी तैयार क कार्यान्वयनमे जाएब ।’ ओ आवश्यक नियम, कानुनसहित ई–गभर्नेन्स कार्यान्वयन भेलाक बाद देशक तीनू तहके सरकारक

नीति तथा कार्यक्रम, योजना आ बजेट व्यवस्थापन प्रक्रिया सहज भ अपेक्षित परिणाम प्राप्त होबाक धारणा व्यक्त करैत तकर पक्षमे वर्तमान सरकार क्रियाशील रहल बतौलैन । सञ्चारमन्त्री गुरुङ आइटी क्षेत्रक विकास एवं विस्तार क तकर उद्योग तथा उत्पादनमूलक क्षेत्रमे जोडैत

देश आ जनताकेँ लाभान्वित करबाक पक्षमे क्रियाशील रहल सरकारकेँ अपन क्षेत्रसँ सहयोग करबाक लेल विषय विज्ञसभके ध्यानाकर्षण केलैन । कार्यक्रममे काठमाण्डू विश्वविद्यालयक स्कुल अफ इञ्जिनियरिङक डिन मनिष पोखरेल सूचना प्रविधिक क्षेत्रमे भेल विकाश तथा देशभरैक प्रविधिमैत्री युवाकेँ एकलित क नयाँ अवसर आ प्रेरणा प्रदान करबाक सोचक साथ ‘आइटी मिट–२०२४’ आयोजना कएल गेल बतौलैन । दू दिनघैर चलैबला कार्यक्रममे कोडिङ प्रतियोगिता, परियोजना प्रदर्शनी, गेमिङ इभेन्टस्, गुगलिङ प्रतियोगिता, केयुबिङ प्रतियोगिताकाँ विविध गतिविधि सञ्चालन होबाक विश्वविद्यालय जनीलक अइछ ।

डेंगी

सुरक्षित रहौं
रोकथाम गरौं
नियन्त्रण जाँरौं

डेंगी भाइरसको संक्रमणबाट बच्ने उपायहरू

डेंगी रोग डेंगी भाइरसबाट संक्रमित एडिज जातको लामखुट्टेको टोकाईबाट मात्र सर्दछ ।

थोरै मात्र पानी जम्मा भएको भौँडाभा पनि यो लामखुट्टेले फुल पादछ र यसको वृद्धि विकास हुन्छ ।

डेंगीका मुख्य लक्षणहरू

उच्च ज्वरो आउनु

जोनी र मांशपेशीहरू दुख्नु

आँखाको मेझी दुख्नु

बेस्सरी टाउको दुख्नु

शरीरमा राता बिमिराहरू आउनु

वाकवाकी लाग्नु वा वान्ता हुनु

डेंगीका लक्षणहरू देखिएमा के गर्ने ?

स्वास्थ्य संस्थाभा गई चिकित्सक वा स्वास्थ्यकर्मीको सल्लाह लिने ।

घरमे बसेर उपचार गर्ने सल्लाह दिएमा ज्वरो घटाउनका लागि र जोड दुखेको कम गर्नको लागि प्यारासिटामोल बाहेक बुफिन र एडिभन जस्ता अन्य औषधीको सेवन नगर्ने ।

अस्पताल भर्ना हुन सल्लाह दिएमा पुरुक्नु भर्ना हुने ।

(*चिकित्सकको सल्लाह नलिईकन कुनै पनि औषधी सेवन नगर्ने)

लामखुट्टेले फुल पाएँ सक्ने संभावित घर भित्र र वरपरका पानी जमेको ठाउँहरू र पानी राख्ने भाडाँहरू खोजी खोजी सफा गरौ र लामखुट्टेको फुल नष्ट गरौ ।

बीरगंज महानगरपालिका
वडा नं.- ६ को कार्यालय
पर्सा, मधेश प्रदेश

पत्रकार महासङ्घके अध्यक्षक लेल पाँचगोटेके उम्मेदवारी दर्ता

काठमाण्डू ।

इएह अगहन २८ गते होबएबला नेपाल पत्रकार महासङ्घके अध्यक्ष पदके लेल पाँचगोटे उम्मेदवारी देलैन अइछ । सूचीअनुसार अध्यक्षक लेल कमल गिरी, देवीप्रसाद सापकोटा, निर्मला शर्मा, रमेश बिष्ट आ लालसिंह (एलएस) लामाक उम्मेदवारी दर्ता भेल अइछ । गिरी प्रेस सेन्टर नेपाल नेतृत्वक संयुक्त प्यानलसँ उम्मेदवारी देने छैथ तँ शर्मा प्रेस चौतारीसहित प्यानलसँ उम्मेदवारी देने छैथ । तहिना, बिष्ट स्वतन्त्र उम्मेदवारी देने छैथ । तहिना, वरिष्ठ उपाध्यक्षमे गोविन्दप्रसाद चौलागाई, दामोदरप्रसाद दुवाडी, दीपक आचार्य आ रोशन पुरीसहित चाइरगोटेके उम्मेदवारी अइछ । उपाध्यक्ष महिलामे गङ्गा पौडेल आ नितु

पण्डितक उम्मेदवारी दर्ता भेल अइछ । बराल प्रेस सेन्टर नेतृत्वक प्यानलक उम्मेदवार छैथ त पण्डित चौतारी नेतृत्व प्यानलक उम्मेदवार छैथ । तहिना, महासचिवमे जन्मदेव जैसी, प्रकाश थापा, रामप्रसाद दाहाल लेखनाथ न्यौपानेक उम्मेदवारी दर्ता कएल गेल अइछ । जाहिमे दाहाल चौतारी नेतृत्वके प्यानलसँ उम्मेदवार छैथ त न्यौपाने सेन्टर नेतृत्वके प्यानलक उम्मेदवार छैथ । ५२ सदस्यीय केन्द्रीय कार्यसमितिक लेल एक सओ ३३ गोटेके उम्मेदवारी दर्ता भेल अइछ । महासङ्घके निर्वाचन कार्यतालिकाअनुसार शुक्रदिन भोर १० सँ साँझ ५ बजेघैर मनोनयन दर्ता करबाक समयसीमा निर्धारित कएल गेल छल । ओइ समयसीमाभित्र ४७ पदके लेल एक सओ ३३ गोटेके उम्मेदवारी दर्ता भेल अइछ ।

विद्यार्थीकेँ आयआर्जन लेल स्ट्रबेरी खेती

गोरखा ।

गोरखाके पालुङटार नगरपालिका–९, सेरास्थित तिवेणी माध्यमिक विद्यालय विद्यार्थीकेँ आयआर्जन करेबाक लेल स्ट्रबेरी खेती शुरूआत केलक अइछ । विद्यालय कृषि ज्ञानकेन्द्र गोरखाके सहयोगमे स्ट्रबेरी खेती करबाक लेल शुरू कएने प्रधानाध्यापक गणेशराज सेडाई जानकारी देलैन । ‘अइ साल परीक्षणके रुपमे एखन एक रोपनी क्षेत्रफल जमिनमे स्ट्रबेरी खेती शुरू कएल गेल अइछ,’ ओ कहलैन, ‘उक्त जमिनमे करिब छ सओ गाइछ रोपने छी, अइसँ बढिया उत्पादन हएत त आओर जमिनमे स्ट्रबेरी खेती करबाक योजना विद्यालयके अइछ ।’ विद्यालयमे कक्षा ९ सँ १२ धेरैके कृषि धारके विद्यार्थी स्ट्रबेरीखेती करबाक काजमे लागल हुनक कहब छैन । ‘उत्पादनबाद बिक्री भेल आमदानीके

६० प्रतिशत विद्यार्थीकेँ उपलब्ध करेबाक विद्यालय निर्णय केलक अइछ,’ प्रधानाध्यापक सेडाई कहलैन, ‘परीक्षण सफल भेलापर अगिला साल १० रोपनी क्षेत्रफल जमिनमे स्ट्रबेरीखेती करबाक योजना विद्यालयक अइछ ।’ स्थानीयस्तरमे एखनघैर अन्यत्र स्ट्रबेरी खेती सेहो नै भेल आ बजारमे दाम सेहो नीक भेलासँ विद्यालय स्ट्रबेरीखेतीकेँ प्राथमिकता देलक हुनक कहब छैन । विद्यालय कृषि धारमे अध्ययनरत विद्यार्थीकेँ उत्पादनमे लगेबाक लेल करिब १० रोपनी खेत आ आठ रोपनी पाखाबारी भाडामे ल धान, मकैलगायत बेमौसमी तरकारीखेती सेहो करैत आएल अइछ । कृषिखेतीसँ विद्यार्थीकेँ किताबकापी खर्च, जलखै तथा कपडामे सहज होइत आएल अइछ ।

मधेश प्रदेशमा धान उत्पादन बढ्यो

मधेशहट्टि

वीरगंज ।

मधेस प्रदेशमा चालू आर्थिक वर्षमा १५ लाख दुई हजार चार सय ५८ मेट्रिकटन धान उत्पादन भएको छ । गएको आर्थिक वर्षमा १२ लाख ९६ हजार छ सय ७ मेट्रिकटन धान उत्पादन भएको थियो ।

अघिल्लो आर्थिक वर्षको तुलनामा चालू आर्थिक वर्षमा दुई लाख पाँच हजार दुई सय ५१ मेट्रिकटन धान उत्पादन धेरै भएको कृषि प्रसार अधिकृत रोशनकुमार मेहताले बताए । यस वर्ष मधेश प्रदेशमा धानको उत्पादन बढनुमा बेलैमा मनसुन हुनु, रोपाईंको क्षेत्रफल बढ्नु, मल र बीउ पनि सहज उपलब्ध हुनुलाई मुख्य कारण मानिएको छ ।

रोपाइँ र त्यसपछिको समयमा पानी परेको थियो भने मल र बीउ समयमा नै उपलब्ध भएकाले उत्पादन बढेको कृषि प्रसार अधिकृत मेहताको भनाइ छ । गएको वर्षको तुलनामा यस वर्ष पाँच हजार दुई सय हेक्टर बढी जमिनमा धानखेती गरिएको थियो ।



सरकारले तोकेभन्दा कम समर्थन मूल्यमा धान बेच्दै किसान

महोत्तरी पिपरा गाउँपालिका–६
रतौलीका किसान महादेव साहले

सरकारले कसका लागि तोकेको छ, हामीलाई थाहा पनि छैन । हामीसँग व्यापारीले बागेनिङ गरेर किन्ने हो,’ उनले भने । साहको यो पटक उत्पादन पनि पहिलेभन्दा कम भयो । ‘एक त

पैसा लिन गाह्रो छ ।’

कति छ सरकारले तोकेको मूल्य ?

सरकारले २० असारमा धानको न्यूनतम समर्थन मूल्य तोकेको थियो । मन्त्रिपरिषद् बैठकले प्रतिक्विन्टल ३ हजार ४ सय १० रुपैयाँ ५१ पैसा निर्धारण गरेको थियो । आर्थिक वर्ष २०८१÷८२ का लागि मोटा धान प्रतिक्विन्टल ३ हजार ४ सय १० रुपैयाँ ५१ पैसा र मध्यम धानको ३ हजार ५ सय ८० रुपैयाँ ६२ पैसा तोक्ने निर्णय गरेको छ ।

सरकारले तोकेको मूल्य टेकेर खाद्य व्यवस्था तथा व्यापार कम्पनीले धान खरिद गर्ने मूल्य तोक्दै किन्ने तयारीमा छ । बिर्तामोडस्थित खाद्य व्यवस्था तथा व्यापार कम्पनी लिमिटेडले ५० हजार क्विन्टल धान खरिद गर्ने तयारी गरेको छ । बिर्तामोड कार्यालय प्रमुख चुलमाया लोवाका अनुसार यो वर्ष प्रतिक्विन्टल ३ हजार ५ सय ८० रुपैयाँ मूल्य तोकेर किन्न लागिएको हो । यो वर्ष पहिलो चरणमा १५ हजार क्विन्टल धान किन्ने तयारी छ । यस्तै कम्पनीको वीरगंज शाखाले धान खरिद गर्न यही साताबाट शुरू गर्ने

जनाएको छ । कम्पनीका अनुसार दुई थरी धानको मूल्य तोकेर खरिद गर्न लागिएको हो । जिरा मसिनो धान प्रतिक्विन्टल ४ हजार र सोना मन्सुली ३ हजार ५ सय ८० रुपैयाँमा किन्न लागिएको हो । त्यस्तै वीरगंज कार्यालयले यसपालि ४२ हजार क्विन्टल धान खरिदको कोटा पाएको छ । जसमा ३२ हजार क्विन्टल सोना मन्सुली र १० हजार क्विन्टल जिरा मसिनो धान खरिद गरिने छ । बिर्तामोड र वीरगंज शाखा बाहेक अन्य कार्यालयले पनि धान खरिद गर्ने तयारी गरिरहेका छन् ।

उत्पादन घट्ने अनुमान

प्रविधि प्रयोग, समयमै भएको वर्षा र रासायनिक मल उपलब्धताले यो वर्ष धान उत्पादन बढ्ने आकलन थियो । तर, असोज दोस्रो साता आएको अविरल वर्षाले उक्त अनुमानको उल्टो उत्पादन घट्ने देखिएको छ । कुल रोपाइँ हुने क्षेत्रफलको लगभग ९९ प्रतिशत रोपाइँ भएको यो वर्ष धान उत्पादन बढ्ने अनुमान थियो । ‘चालू आर्थिक वर्ष धान उत्पादन बढ्ने आकलन गरिए पनि असोज दोस्रो साता आएको बाढीले ठूलो असर पुग्दा त्यो अनुमान नमिल्ने देखियो,’ कृषि तथा पशुपन्छी विकास मन्त्रालयका प्रवक्ता डा. हरिबहादुर केसी भन्छन्, ‘पहाडमा धान खेतमा पहिरो र तराईमा डुबान र बाढीले असर परेको छ ।’

बढेको थियो रोपाइँ

कृषि मन्त्रालयका अनुसार १३ लाख ९० हजार ९५ हेक्टर रोपाइँ हुने क्षेत्रमध्ये करिब १३ लाख ८० हेक्टरमा रोपाइँ भएको थियो । गत वर्षभन्दा यो वर्ष ६-७ प्रतिशतले रोपाइँ बढेको थियो । रोपाइँ बढेपछि मन्त्रालयले धान उत्पादन बढ्न सक्ने आकलन गरेको थियो । गत वर्ष धान सिजन सुरुवातमै पानी र मलको समस्या थियो । त्यसले राम्रो नभए पनि यो पटक उत्पादन राम्रो हुने कृषि मन्त्रालयको अनुमान थियो । कृषि विभागका अनुसार उत्पादन पनि पछिल्लो समय बढ्दै गत आव धान उत्पादन अघिल्लो आव २०७९/८० भन्दा ४.३३ प्रतिशतले वृद्धि

भएको थियो । गत आव ५७ लाख २४ हजार २ सय ३४ टन धान उत्पादन भएको थियो, जुन चार वर्षको औसत उत्पादन तुलनामा ५.०८ प्रतिशतले बढी हो । धानबालीको औसत उत्पादकत्व अघिल्लो आवको तुलनामा ४.९७ प्रतिशतले वृद्धि भएर प्रतिहेक्टर ३.९८ टन पुगेको थियो । जुन चार वर्षको औसत उत्पादकत्व भन्दा ६.९२ प्रतिशत बढी हो ।

सबैभन्दा धेरै क्षति धानमा

असोज दोस्रो साता आएको बाढी-पहिरोका कारण चालू आव धान उत्पादन घट्ने देखिन्छ । बाढी-पहिरोले किसानलाई प्रत्यक्ष असर पुग्यो नै, बढ्न लागेको धान उत्पादनमा पनि नराम्रो असर पाऱ्यो । भीषण वर्षाले मुलुकको कृषि क्षेतमा करिब ६ अर्ब रुपैयाँभन्दा बढीको क्षति पुगेको प्रारम्भिक तथ्यांक सार्वजनिक भइसकेको छ । कृषि मन्त्रालयले संकलन गरेको विवरण अनुसार बाली, पशुपन्छी धन, माछा लगायतमा ६ अर्ब बढीको क्षति देखिएको हो । बाढीले ५८ हजार ४ सय ७६ हेक्टर धानबाली नष्ट भएको छ । बाढी-पहिरोले सप्तरी, सिरहा, धनुषा, महोत्तरी, सर्लाही, रौतहट, बारा, पर्सा, नवलपुर, बागलुङ, खोटाङ, झापा, कैलाली, लमजुङ, पर्वत, कास्की, स्याङ्जा, सिन्धुली, मकवानपुर र काभ्रेमा गरी ६ अर्ब ५० करोड रुपैयाँ बराबर क्षति भएको छ ।

कति चाहिन्छ धान ?

उद्योग, वाणिज्य तथा आपूर्ति मन्त्रालयका अनुसार नेपालमा वार्षिक करिब ७० लाख टन धान आवश्यक पर्छ । जसमध्ये नेपालको आफ्नै उत्पादन ५४ लाख टन मात्रै हो । त्यस्तै वर्षको ४८ लाख टन चामल चाहिन्छ । जसमा ३० लाख टन भात खानमात्र चाहिन्छ । अन्य उत्पादन चिउरा, चामलको पिठोबाट बन्ने परिकारका लागि पनि खपत हुन्छ । तर, यो पटक पनि नेपालमा धान उत्पादन घट्दा भारतबाट चामल आयात धेरै हुने देखिएको छ । रासस

परवानीपुरमा निःशुल्क लोकसेवा

कक्षा सञ्चालन

मधेशहट्टि

वीरगंज ।

वीरगंज महानगरपालिका वडा नम्बर २१ परवानीपुरमा निःशुल्क लोकसेवा कक्षा सञ्चालन गरिएको छ । वडाका युवालाई लक्षित गर्दै वडा स्तरीय बजेटबाट शुभारम्भ भएको लोकसेवा कक्षाको वडा अध्यक्ष राधाकृष्ण रौनियारले उद्घाटन

गरे । कक्षाको उद्घाटन गर्दै वडाअध्यक्ष रौनियारले मन लगाएर लगावका साथ तयारीमा जुट्न युवाहरूलाई आग्रह गरे । सरकारी सेवाप्रति युवाको आकर्षण र न्यून आर्थिक अवस्थाका कारण तयारी कक्षामा जान नसक्नेहरूलाई मध्यनजर गर्दै कक्षा सञ्चालन गरिएको वडाअध्यक्ष रौनियारले बताए । खरिदार, नायब सुब्बा,

प्रहरी सेवा, शिक्षक सेवा, बैकिंग सेवा लगायतका संकायको अध्ययन गराइनेछ । जसमा अहिले ३५ जना वडाका युवाहरू कक्षामा सहभागी रहेको वडा सचिव सेफुला अंसारीले जानकारी दिए । कार्यक्रममा स्थानीय राजन ताराचन्द, जवाहिर महतो लगायतको उपस्थिति रहेको थियो ।

प्रसौनी निशुल्क आँखा शिविर सम्पन्न

मधेशहट्टि

वीरगंज ।

पर्साको विन्दवासिनी गाउँपालिका वडा नं ५ प्रसौनी भाट्टा स्थित श्री मसरुर पब्लिक विद्यालयको प्राङ्गणमा एक दिवसीय आँखा शिविर सम्पन्न भएको छ । ‘प्रेम सबैलाई गर कसैलाई घृणा नगर’ भन्ने मुल नाराका साथ शनिबार आखाँ शिविर सम्पन्न भएको छ । केडिया आँखा अस्पतालको प्रविधि सहयोगमा र स्थानीय आयोजक अहमदिया संघ नेपालको आयोजनामा शिविर सम्पन्न भएको हो । शिविरमा ४५२ जनाको आखाँ जाँच गरिएको थियो । जस्मा १५० जनामा मोतियाबिन्दु देखिएको छ । मोतियाबिन्दुको बिरामीको अप्रेसन परवानीपुर केडिया आँखा अस्पतालमा हुने आयोजकले जनाएको छ । शिविरमा केडिया आँखा अस्पतालका प्रविधिक डक्टर



डा अम्बिका साह, व्यास महतो, कैशल कुमार कर्णले विरामी चेकजाँच गरेका थिए । शिविर पूर्व प्रदेश सभा सदस्य प्रह्लाद गिरीको मुख्य आतिथ्यमा सम्पन भएको हो । विशिष्ट

अतिथि विन्दवासिनी गाउँपालिका वडा नं ५ का वडा अध्यक्ष मोहन राउत अहिर, केडिया आँखा अस्पतालका डा. राज किशोर साह रहेका थिए । शिविरमा चेकजाँच गर्दा

मोतियाबिन्दुको विरामीको केडिया आखाँ अस्पतालमा निःशुल्क अप्रेसन हुने आयोजक संस्थाका प्रतिनिधि बारा पर्सा इन्चार्ज हासिम अहमदले बताए ।

सम्पादकीय

जनप्रतिनिधिहरुको अपराधकर्म

सप्तरीको डाक्नेश्वरी नगरपालिका वडा नम्बर १ का नवनिर्वाचित वडाअध्यक्ष धीरेन्द्र कुमार साह शपथग्रहण समारोहबाटै पक्राउ परे । शपथ ग्रहणबाद पदभार ग्रहण कार्यक्रममा सहभागी हुनेक्रममा उनी प्रहरीको नियन्त्रणमा पुगे । वडा कार्यालय नपुग्दै उनको हिरासत यात्रा आरम्भ भयो । उनलाई ३ वर्ष पहिला १९ वर्षीया युवतीको अपहरण, जबर्जस्ती करणी आ कर्तव्य ज्यान घटनामा संलग्नताको आरोपमा पक्राउ गरिएको हो । पीडित परिवारले प्रहरीमा गरेको उजुरीका आधारमा साहलाई प्रहरीले उपनिर्वाचनबाट अटाइ वर्षका लागि वडाध्यक्षमा विजित भए पनि हिरासतमा लिएपछि यसले देशव्यापी चर्चा पाएको छ ।

जताततै उनी समाचारका पात्र भएका छन् । जनता समाजवादी पार्टी नेपालबाट विजित साहलाई थप अनुसन्धान

भइरहेको प्रहरी ले जनाएको छ । प्रहरी उपरीक्षक ढकेन्द्र खतिवडाका अनुसार, नवनिर्वाचित वडाध्यक्ष साहउपर अपहरण तथा शरीर बन्धक, जबर्जस्तीकरणी र कर्तव्य ज्यान मुद्दामा अनुसन्धान प्रक्रियामा रहेका वडाध्यक्ष साहविरुद्ध २०७९ साउन १७ गते अपहरण तथा शरीर बन्धक, जबरजस्तीकरणी आ कर्तव्य ज्यान लगायतका अपराधमा उजुरी दर्ता भएको पाइएको छ । साह सहित अन्य व्यक्तिहरविरुद्ध २०७९ साल साउन १९ गते पीडित परिवारद्वारा इलाका प्रहरी कार्यालय कल्याणपुरमा जाहेरी परेको थियो । साह फरार सूचीमा थिए । विसं २०८० साल जेठ १० गते जिला सरकारी वकिल कार्यालय सप्तरीमार्फत इलाका प्रहरी कार्यालय कल्याणपुरमा जाहेरी दर्ता भएको थियो ।

साउन १४ गते इलाका प्रहरी कार्यालय कल्याणपुरमा मुद्दा दर्ता भएपछि साउन १५ गते साहसहितका प्रतिवादीविरुद्ध पक्राउपूर्जी पनि जारी भएको थियो । प्रहरीले खोजतलास गरिरहेको व्यक्ति एकाएक वडाध्यक्षका उम्मेदवार जितेर शपथ खाइरहँदा पक्राउ परेका हुन् । यो त एउटा उदाहरण मात्रै हो, मधेशका थुप्रै जनप्रतिनिधिका टाउकोमा यसरी नै मुद्दा चल्िरहेको छ ।

राजनीतिक प्रतिशोधका आधारमा कोही संरक्षित भइरहेका छन्, कोही फरार सूचीमा बसिरहेका छन् । कोहीको पद नै निलम्बनमा परेको छ । लोसपामा मधेश प्रदेश सभाका संसदीय दलका नेता अभिराम शर्मा पनि यस्तै बिलखबन्दमा परेका अर्का पात्र हुन् । स्वतन्त्र सांसद अनिरुद्ध सिंह पनि यस्तै कर्ममा जोडिएका थिए । झण्डै उनको सांसद पद गुमेको थियो ।

केही मन्त्रीहरु, पार्टीका सभापतिहरु पनि भ्रष्टाचारको मुद्दामा जोडिएका छन् । यसले मधेशका जनप्रतिनिधिहरुको अपराध कर्ममा सहभागिता देखाइरहेको छ । यो राम्रो पाटो होइन । मधेशलाई नेतृत्व गर्ने जनप्रतिनिधिहरु किन यसरी अपराध कर्ममा फसेका छन् ? उनीहरुको पुराना मुद्दामा किन प्रहरीले पदमा पुगेपछि मात्रै पक्राउ गरेर प्रगति प्रतिवेदन सार्वजनिक गरिरहेको छ ? उम्मेदवार हुँदा नै यस्ता व्यक्तिहरु किन पक्राउ पढैन्न् ? साढे २ वर्षका लागि जितेका व्यक्ति नै शपथ खाएकै दिन वडा कार्यालय नगई हिरासतमा गएपछि उपनिर्वाचन र यसमा भएको खर्च व्यर्थ भएको छ । उनी हिरासतमा गएपछि दोस्रो भएका व्यक्तिले वडाध्यक्ष भएर काम गर्न पाउने अवस्था पनि छैन । अर्को उपनिर्वाचन कहिले हुने ? यस्ता प्रश्नहरु राज्य संयन्त्रबीचको समन्वयको अभावमा उब्जिरहने गर्दछ ।

वैयक्तिक विवरण सार्वजनिकीकरणमा

मिडिया पनि दोषी



सन्तोष सिग्देल

नेपालमा गोपनीयताको हकको अवस्था विश्लेषण गर्दा कानुनी रूपमा कस्तो व्यवस्था गरिएको छ र यसको अभ्यास कस्तो छ भनी हेरिनुपर्ने हुन्छ । २०४७ सालको संविधानले गोपनीयताको हकलाई पहिलोपटक मौलिक हकका रूपमा सुनिश्चित गरेको थियो भने अन्तरिम संविधानले पनि त्यसलाई निरन्तरता दियो । तथापि संवैधानिक हकका रूपमा रहेको गोपनीयताको हकलाई कार्यान्वयन गर्न संसदले लामो समयसम्म कानुन भने बनाउन सकेन । २०७२ सालमा संविधानसभाबाट बनेको नयाँ संविधानले पनि गोपनीयताको हकलाई मौलिक हककै रूपमा व्यवस्थित गर्‍यो । त्यसलाई कानुनी हकका रूपमा कार्यान्वयन गर्नका लागि २०७५ सालमा वैयक्तिक गोपनीयता सम्बन्धी ऐन जारी भयो । यस ऐनले व्यक्तिगत गोपनीयताका बारेमा विस्तृत रूपमा कानुनी प्रबन्ध गरेको छ । यसको कार्यान्वयनका लागि नियमावली पनि बनेको छ । संविधानले गोपनीयताको हकलाई नागरिक मात्रको हक नभई व्यक्तिको हकका रूपमा व्यवस्था गरेको छ । तसर्थ गोपनीयताको हक नेपालको सरहदभित्र रहेको जुनसुकै व्यक्तिका लागि समान रूपमा लागु हुन्छ । व्यक्तिको मर्यादित जीवन बाँच्न पाउने अधिकार र स्वतन्त्रताको अधिकारको एक पाटोका रूपमा रहेको गोपनीयताको हक कानुनले तोकेको अवस्थामा मात्र संकुचन हुन सक्छ नत्र अनतिक्रमणीय हुन्छ भनी संविधानले नै ग्यारेन्टी गरेको छ ।

गोपनीयताको हकसम्बन्धी कानुन कार्यान्वयनमा आउनुअगाडि अपराध अनुसन्धानका क्रममा पक्राउ गरिएको व्यक्तिलाई सार्वजनिक गर्ने हुन्छ वा हुँदैन भनेबारे कुनै कानुनी व्यवस्था थिएन । यही कारण प्रहरीले आरोपितहरूलाई सार्वजनिक गर्ने अभ्यास सुरु गरेको हुन सक्छ । यसको पछाडि कारण के हुन सक्छ भने समाजमा अपराधको घटना भएपछि डर वा त्रासको मनोभाव हुन्छ । त्यस्तो अवस्थामा अपराध गरेको भनी आशंका गरिएको व्यक्ति पक्राउ भइसकेको छ र अब समाज सुरक्षित छ भनी नागरिकलाई आश्वास तुल्याउने अभ्यासका रूपमा आरोपितलाई सार्वजनिक गर्ने गरेको देखिन्छ । यस्तो अभ्यासले व्यक्तिको गोपनीयताको अधिकारका साथसाथै संविधानले सुनिश्चित गरेको न्यायसम्बन्धी हक अन्तर्गतको निर्दोषिताको सिद्धान्त समेतको उल्लंघन हुन्छ । संविधानले धारा २० मा ‘कुनै अभियोग लागेको व्यक्तिलाई निजले गरेको कसुर प्रमाणित नभएसम्म कसुरदार मानिने छैन’ भन्ने व्यवस्था गरेको छ ।

कुनै अपराध अनुसन्धान गर्ने सिलसिलामा पक्राउ परेका, आशंका गरिएका, अनुसन्धानकै क्रममा रहेका व्यक्तिलाई समेत सार्वजनिक गर्ने अभ्यासले व्यक्तिको गोपनीयताको हकको उल्लंघन भइरहेको अवस्थालाई मध्यनजर गर्दै संसदले वैयक्तिक गोपनीयताको हकसम्बन्धी कानुन बनाउँदा दफा १७ मा ‘कानुन बमोजिम अनुसन्धानको सिलसिलामा रहेको कुनै पनि व्यक्तिलाई लागेको कसुरको सम्बन्धमा सम्बन्धित निकायमा अभियोगपत्र दायर नभएसम्म निजलाई अधिकार प्राप्त अधिकारीले कुनै पनि तरिकाले सार्वजनिक गर्न वा गराउन हुँदैन’ भन्ने व्यवस्था गरेको छ ।

यस व्यवस्थाअनुसार अनुसन्धान सकाएर अभियोग पत्र दायर नगरेसम्म प्रहरी र अनुसन्धान निकायले आरोपित वा थुनुवालालाई कुनै पनि तरिकाले सार्वजनिक गर्नु हुँदैन । यसको कारण भनेको आशङ्का गरिएको व्यक्तिको सम्बन्धमा अनुसन्धान नै पूरा भइसकेको छैन, उसलाई तत्काल देखिएका प्रमाणहरूले संलग्न हो भनेतर्फ सङ्केत गरेको भए पनि अनुसन्धान सर्किदासम्म निज संलग्न नरहेको पनि हुन सक्छ भन्ने हो । तसर्थ अनुसन्धानका क्रममा अभियोगपत्र दायर नभएसम्म निजको फोटो, ठेगाना, अन्य व्यक्तिगत विवरण लगायत निजको पहिचान खुल्न सक्ने विवरणहरू गोप्य नै राख्नुपर्छ कुनै पनि तरिकाले सार्वजनिक गर्न वा गराउन हुँदैन ।

अनुसन्धान नटुङ्गिएको अवस्थामा अभियोगपत्र दायर हुनुअगावै आशङ्का गरिएको व्यक्ति तथा निजको विवरण सार्वजनिक गरिँदा निजले विनाअपराध सामाजिक रूपमा अपमान व्यहोर्नुपर्ने हुन्छ । सार्वजनिक गर्ने क्रममा उसको फोटो, ठेगाना र पहिचान समेत बाहिर जाँदा यसले व्यक्तिको गोपनीयताको हक हनन हुन्छ । अपराधमा आशङ्का गरेको व्यक्तिको नाम, अभियोगको विवरण वा सूचना सार्वजनिक गर्न भने रोक लगाइएको छैन ।

हाल्रामा गलत अभ्यास कस्तो हुने गरेको छ भने कुनै व्यक्ति आशङ्काकै आधारमा पक्राउ परेको भए पनि सार्वजनिक

सञ्चारमाध्यमलाई बोलाएर अगाडि उभ्याएर उसको फोटोसहित र वैयक्तिक विवरणसहित सबै कुरा सार्वजनिक गरिन्छ । अझ कतिपयमा त थुनुवा भनेर छातीमा टाँसेर समेत सार्वजनिक गर्ने गल्ती भइरहेको हुन्छ । यो अपराधमा संलग्नमा रहेको आशङ्कामा पक्राउ गरिएको छ भनेर यसरी सार्वजनिक गर्दा उसको सम्मानपूर्वक बाँच्न पाउने अधिकारमा हनन हुन्छ । यता संविधानले प्रत्येक नागरिकलाई सम्मानपूर्वक बाँच्न पाउने हक हुनेछ भनेर ग्यारेन्टी गर्ने अनि अनुसन्धान गर्ने निकायले आशङ्काकै भ्रमा पक्राउ गरेर अभियुक्तझैँ निर्दो्ष मानिसलाई व्यवहार गर्ने हो भने व्यक्तिको गोपनीयता सम्बन्धी हकको हनन हुन्छ । यो अधिकारको हनन मात्र होइन, कानुन कार्यान्वयन गर्ने निकायबाट नै भएको कानुनको उल्लङ्घन पनि हो । वैयक्तिक गोपनीयता सम्बन्धी ऐनको दफा १७ विरुद्धको कार्य हो ।

विधायिकाले बनाएको कानुन नागरिकका लागि मात्र होइन, नागरिकको अधिकारको संरक्षणका लागि विधायिकाले सरकार तथा सरकारी निकायका क्रियाकलापमा रोक समेत लगाएको हुन्छ । वैयक्तिक गोपनीयता सम्बन्धी ऐनको दफा १७ यस्तै प्रावधान हो, जसले अधिकारप्राप्त अधिकारीले के गर्नु हुँदैन भनी तोकेको छ । विधायिकाले सरकारी निकायका अधिकारीलाई निर्देशित गर्न मनसाय राखेर यो प्रावधान बनाएका हुन् । जति नागरिकलाई यो कानुन लागु हुन्छ, सरकारी निकायका पदाधिकारी अझ भनीँ प्रहरीलाई पनि त्यति नै लागु हुन्छ । त्यसैले अभियोगपत्र दायर हुनुअघि व्यक्तिको गोपनीयतासम्बन्धी कुराहरुको संरक्षण गर्ने दायित्व प्रहरीहरुको हो । यो प्रावधानलाई लत्याउनु कानुन उल्लङ्घन हो र नेपालको हालको अभ्यासलाई हेर्ने हो भने अपराध अनुसन्धान निकाय तथा अधिकारीहरूबाट कानुनको पालना भइरहेको छैन भन्न सक्छौँ ।

मिडियाको भूमिका

सञ्चारमाध्यमले यस्ता विषयलाई कसरी प्रस्तुत गर्छन् भन्ने कुरा पनि हेरिनुपर्छ । प्रहरी पत्रकार सम्मेलन गरेर वा प्रेस विज्ञप्ति जारी गरेर सार्वजनिक गरेको आरोपितसम्बन्धी वैयक्तिक जानकारीको थप सार्वजनिकीकरणमा मिडियाको ठूलो भूमिका छ । प्रहरीले दियो भन्दैमा सबै छाप्नु जरुरी हुँदैन । के कति छाप्ने भन्ने मिडिया आफैं निर्धारण गर्न सक्छ र गर्नुपर्छ । वैयक्तिक गोपनीयताको संरक्षण मिडिया आचार (मिडिया इथिक्स) को एक महत्त्वपूर्ण स्तम्भ हो । विगतमा मिडियाले आरोपित र अभियुक्तका बिचमा कुनै भेद नराखी आरोपितलाई नै अभियुक्तका रूपमा रिपोर्टिङ गर्ने अभ्यास समेत रहेको थियो । पछिल्लो समय मूलधारका सञ्चारमाध्यममा यस विषयमा केही सुधार देखिएको छ, तर सामाजिक सञ्जाल र खास गरी युट्युबलाई प्लेटफर्म बनाएर सञ्चार कर्म गरिरहेका अर्थात् सूचना प्रकाशन र प्रसारण गर्नेहरु व्यक्तिगत गोपनीयताको उल्लङ्घनमा निकै अगाडि देखिएका छन् ।

मिडिया र त्यसमा पनि डिजिटल प्लेटफर्ममा आधारित नयाँ मिडियाहरूलाई गोपनीयताका बारेमा बुझाउनु जरुरी छ । पछिल्लो समय जति व्यक्तिगत कुरा बाहिर ल्याउन सकियो वा आफ्नो प्लेटफर्ममार्फत सार्वजनिक गर्न सकियो, त्यति नै क्लिक र रभ्युज कमाउन सकिन्छ भन्ने प्रवृत्ति देखिएको छ । कतिपय अवस्थामा प्रहरीबाट पाएको सूचनाका आधारमा यस्ता सामग्री प्रसारण हुने गरेका छन् भने कतिपय अवस्थामा आफैं फिल्डमा गएर पनि हुने गरेका छन् । आरोपितका परिवार, पीडितका परिवारसँग कुरा गर्दै व्यक्तिगत गोपनीयता हनन गर्ने काम भइरहेको देखिन्छ । यस्ता नयाँ मिडियाहरूको क्षमता अभिवृद्धि तथा सचेतना वृद्धितर्फ पनि जोड दिनुपर्छ ।

वैयक्तिक गोपनीयता अधिकार उल्लङ्घनको रूप प्रवृत्तिलाई सम्बोधन गर्न एक पक्षीय प्रयास पर्याप्त हुँदैन । कानुनी रूपमा हेर्दा ऐनमा गरिएको व्यवस्था अपुरो र अपर्याप्त छ । वैयक्तिक विवरण सार्वजनिक गर्न हुँदैन भन्ने व्यवस्था त छ तर सार्वजनिक गरियो भने के सजाय हुन्छ भन्ने व्यवस्था छैन । त्यसै गरी वैयक्तिक विवरण सार्वजनिक भएर पीडित भएका व्यक्तिका लागि उपचार तथा क्षतिपूर्तिको व्यवस्था छैन । तसर्थ गोपनीयताको हकको पूर्ण संरक्षणका लागि यी व्यवस्था समेट्दै कानुनमा संशोधन आवश्यक छ ।

प्रहरीलाई तालिम वा परिपत्र

अपराध अनुसन्धानको जिम्मेवारीमा रहेको प्रहरीले आफ्नो कोर्स तथा तालिमहरूमा वैयक्तिक गोपनीयताको हक प्रचलित कानुनी व्यवस्था तथा आरोपितको गोपनीयता उल्लङ्घन गर्न नहुने विषयलाई समेट्नुपर्छ । मेरा कारण कानुनको उल्लङ्घन भइरहेको छ भन्ने अनुसन्धान गरिरहेको निकाय वा व्यक्तिलाई थाहा नहुन पनि सक्छ । अपराधको आशङ्कामा पक्राउ गरेपछि मैले मिडिया बोलाएर सार्वजनिक गर्नुपर्छ वा मिडिया बोलाएर दिनुपर्छ उसलाई लागिरहेको पनि हुन सक्छ, भन्ने प्रचलित अभ्यासका नाममा । यो गलत हो, यो कानुनले रोकेको छ भनेर उसलाई नबुझाएसम्म त्यस्तो अभ्यास रोकिँदैन । यस अवस्थामा तत्कालै यस्तो अभ्यास रोकन नेपाल प्रहरीले ‘अभियोगपत्र दर्ता नभएसम्म आरोपितको विवरण सार्वजनिक नगर्नु’ भनी मातहतका सबै प्रहरी कार्यालयलाई परिपत्र जारी गर्ने र त्यसको कार्यान्वयन हुने हो भने तत्कालै सुधार देखिन पनि सक्छ ।



स्वामी ग्युञ्जान

बृहदारण्यकोपनिषद् अध्याय ३ ब्राह्मण १ मा एकपटक राजा जनकले ठूलो दक्षिणाको घोषणा गरी एउटा विशाल यज्ञ आयोजना गर्नुभएको प्रसङ्ग आउँछ । त्यस यज्ञमा राजाको निम्तालाई स्वीकार गरी कुरु र पाञ्चाल देशका विशिष्ट र विद्वान ब्राह्मणहरूले उत्साहका साथमा सहभागीता जनाए । राजा जनकलाई त्यहाँ उपस्थित ब्राह्मण तथा ज्ञानीहरु मध्ये सबैभन्दा उत्तम प्रवचन गर्न को सक्षम हुनुहुन्छ भनेर जान्ने इच्छा उत्पन्न भयो । यही प्रयोजनका लागि भनेर उहाँले एक हजार गाईहरूलाई आफ्नो गौशालामा बाँधेर राख्नुभएको थियो । ती प्रत्येक गाईहरु आफ्ना सोझा बाँधिएका दश–दश वटा सुनका मोहोरहरूले शोभायमान थिए । सम्पूर्ण ज्ञानी ब्राह्मणहरूको सभामा राजा जनकले घोषणा गर्नुभयो, ‘हे पूज्य ब्राह्मण ! यहाँहरु सबैजना ब्रह्मवेत्ता हुनुहुन्छ । तपाईंहरुमध्येमा सर्वश्रेष्ठ ब्रह्मवेत्ताले यी गाईहरूलाई हँकिेर आफ्नो निवासमा लिएर जान सक्नुहुनेछ ।’ त्यहाँ उपस्थित कुनै ब्राह्मणले पनि यसरी गाईलाई गोठबाट फुकाएर लैजाने आँट गर्न सक्नुभएन । आफू नै श्रेष्ठ ब्रह्मवेत्ता हुँ भनेर घोषित गर्ने त्यहाँ मध्ये कसैले पनि धृष्टता गर्न सकेन । कुनै पनि ब्राह्मणले साहस गर्न नसकेको देखेर ऋषि याज्ञवल्क्यले आफ्ना शिष्यलाई भन्नुभयो, ‘हे सोम्य ! हे सामश्रवा ! यी गाईहरूलाई हाम्रो गौशालामा लिएर जाऊ ।’ याज्ञवल्क्यको यति आदेश पाउनासाथ ती शिष्यले सम्पूर्ण गाईहरूलाई फुकाएर आफ्नो गौशालातिर लिएर गए । उपस्थित सम्पूर्ण ब्राह्मणहरूका बीचमा याज्ञवल्क्यको यो साहस देखेर अन्य ब्राह्मणहरू रुन्छ भए । त्यस सभामा राजा जनकका मूल पुरोहित अश्वल पनि उपस्थित थिए । राजा र राज्यको आश्रय पाएको हुँदा उनको स्वभावमा अभिमान देखिन्थ्यो । अश्वलले अब याज्ञवल्क्यलाई प्रश्न गर्दछन्, ‘के साँच्चै नै हामी सबैमा तिमी नै श्रेष्ठ ब्रह्मवेत्ता हो त ?’

उत्तरमा याज्ञवल्क्य भन्दछन्– सम्पूर्ण ब्रह्मनिष्ठहरूलाई मेरो नमस्कार छ, यस समय मलाई गाईको खाँचो छ ।’ यसपछि त्यहाँ याज्ञवल्क्य र अश्वलका बीचमा प्रश्नोत्तर चल्दछ । ‘हे याज्ञवल्क्य !’ अश्वल सम्बोधन पश्चात प्रश्न गर्दछन्, ‘यो सम्पूर्ण संसार मृत्युले परिव्याप्त छ । यहाँ भएका सम्पूर्ण प्राणीहरु मृत्युको अधीनमा छन् । त्यो मृत्युको व्याप्तिलाई यजमानले कुन साधनले अतिक्रम गर्न सक्छन् ?’ अश्वलको यस प्रश्नको जवाफमा याज्ञवल्क्य भन्दछन् – वाक्द्वारा मृत्युको अधीनलाई अतिक्रम गर्न सक्दछन् ।’ झट्ट सुन्दा यो उत्तर अनौटो जस्तो लाग्दछ । कसरी मानिसले आफ्नो वाक्शक्तिकद्वारा मृत्युको पराधीनतालाई अतिक्रम गर्न

सक्छन् होला ! हर कोहीको मनमा यो प्रश्न उत्पन्न हुनु स्वाभाविक नै हो । मैले गुरुदेवका साथमा बिताएको झण्डै पच्चीस वर्षको समयलाई बिचार गर्दा म के पाउँछु भने उहाँले सबैभन्दा बढी आफ्नो समय भेट गर्न आएका जिज्ञासु र दर्शनार्थीका साथमा कुराकानी गरेर बिताउनु भयो । गुरुदेवले आफ्नो निवासको प्रवेशद्वार कहिले पनि आउने मान्छेका लागि बन्द गर्नुभएन । औपचारिक शिक्षा पाएको अथवा निरक्षर, शहरको होस् अथवा गाउँको होस्, बालक होस् अथवा बृद्ध, महिला होस् अथवा पुरुष, स्वदेशी होस् अथवा सात समुद्र पारीको अङ्ग्रेज सबैका साथमा हुने कुराकानीमा उहाँ रमाउनु हुन्थ्यो । उहाँको ज्ञान, सूचना र अभिव्यक्ति शैली यस्तो मन्त्रमुग्ध पार्ने हुन्थ्यो कि त्यस समयमा अरु मानिसले बोल्ने कुनै आवश्यकता नै हुँदैन थियो । एकदिन मलाई भन्नुभएको थियो, ‘तैँले भारतमा विभिन्न प्रान्तबाट आएका मानिसहरूको भेलामा एकजना मानिस कुराकानी गर्न कुशल छ र अरु मानिसहरु सुनिमात्र रहेका छन् । यस्तो दृश्य देखिस् भने त्यो बोल्ने मान्छे बड्गाली हो भन्ने पक्का बुझे हुन्छ ।’ चित्र बनाउँदा, खाना बनाउँदा, कुनै शारीरिक काम गर्दा, नुहाउनु अघि शरीरमा तेल मालिस गर्दा पनि उहाँ कुनै गम्भिर विषयमा चर्चा गरिरहनु हुन्थ्यो । यदाकदा कुनै किताब लेखेको बेलामा मानिसहरु आएर उहाँको लेखन कार्यमा बाधा गरे भन्ने लाग्यो भने आश्रमको भान्साकोठा, माथि कुरखुरे पाखाको कुटी अथवा आश्रमको शिरानको कोठामा एकान्तमा गएर आफ्नो कार्य गर्नुहुन्थ्यो । तर त्यहाँ उपस्थित कुनै ब्राह्मणले पनि यसरी गाईलाई गोठबाट फुकाएर लैजाने आँट गर्न सक्नुभएन । आफू नै श्रेष्ठ ब्रह्मवेत्ता हुँ भनेर घोषित गर्ने त्यहाँ मध्ये कसैले पनि धृष्टता गर्न सकेन । कुनै पनि ब्राह्मणले साहस गर्न नसकेको देखेर ऋषि याज्ञवल्क्यले आफ्ना शिष्यलाई भन्नुभयो, ‘हे सोम्य ! हे सामश्रवा ! यी गाईहरूलाई हाम्रो गौशालामा लिएर जाऊ ।’ याज्ञवल्क्यको यति आदेश पाउनासाथ ती शिष्यले सम्पूर्ण गाईहरूलाई फुकाएर आफ्नो गौशालातिर लिएर गए ।

गुरुदेव केवल बोल्नु मात्रै हुँदैनथियो कि उहाँले गर्ने कुराहरुमा अनुभूति हुन्थे । त्यसका अतिरिक्त उहाँका शब्दहरुमा प्रेमभावना, आशीर्वाद, हिताकाङ्क्षा, परोपकार र मार्गदर्शन हुन्थ्यो । कोही कोही भक्तले उहाँले भनेको यी कुराहरु ‘लेखेर राख्न पाए कति राम्रो हुन्थ्यो । धेरै मानिसहरूले हजूरको भनाइबाट लाभ पाउने थिए ।’ भन्ने गरेको पनि मैले सुनेको हुँ । यो म भर्खर आएको बेलाको कुरा थियो । एकजना भक्तको यस्तै प्रश्नको जवाफ स्वर्शरूप भन्नुभएको थियो, ‘म लेख्न त लेख्छु तर किताबका पेज होइन मानिसको हृदयमा लेख्छु ।’ मेरो पिताजी कृष्णविनोद लम्सालले पनि एकपटक यसै गरेर प्रश्न गर्नुभएको थियो, ‘स्वामीजी मैले जहिले पनि हजूरले भनेको कुरामा कुनै न कुनै नौलो कुरा भेट्छु । हजूरले बोलेका कुराहरूलाई अभिलेख गरेर राख्न सकिँदैन ?’ यस प्रश्नको जवाफ गुरुदेवले भन्नुभएको मलाई सम्झना छ, ‘यसरी रेकर्ड गरेर राख्ने, किताब बनाउने भनेको चेलाहरूले गर्ने काम हो । मैले कुनै प्रसङ्गमा केही कुरा भनेको हुन्छु । अब त्यसलाई तत्काल कसरी रेकर्ड गर्ने ? यस विषयमा चेलाहरूले सोच्नु पर्दछ ।’ यस आश्रममा आएदेखि नै यहाँको व्यवस्थापनलाई लिएर मलाई चिन्ता भइरहन्थ्यो । पठनपाठन हुने कतिपय

कक्षाहरुमा वर्षामा पानी चुहन्थ्यो । कुनै कुनै कक्षाकोठामा झ्याल ढोका थिएनन् । हिँड्ने बाटो वर्षामा हिलाम्मे हुन्थ्यो । विद्यालयको बारबेरा नभएको हुँदा विभिन्न थरीका मानिसहरु, बाटाका कुकुरहरु, कहिले कहिले पागलहरु पनि विद्यालयको हाताभित्र प्रवेश गर्दथे । उनीहरूलाई रोक्ने हामीहरूसँग कुनै उपाय नै थिएनन् । गुरुदेवलाई भक्तहरूले सहयोग गर्न कमी पनि हुँदैन थियो । गुरुदेवका साथमा नै रहेर ‘यस्तो कुरा आवश्यक छ, यस्तो बनाउनु पर्छ ।’ भनेर सल्लाह दिने मानिसको कमी भएर हुनसक्छ गुरुदेवलाई कसैले पैसा अथवा सामान दान दिएको छ भने पनि कोही आवश्यक पर्ने मानिस अगाडि देख्दा उसलाई दिइहाल्नुहुन्थ्यो । फेरि हामीहरुको क्षेत्र ठूलो भएको हुँदा सानो तिनो काम गरे तापनि देखिँदैन थियो । यति हुँदाहुँदै पनि विद्यालयका कक्षाकोठाहरुमा विद्यार्थीहरु भरिभराउ हुन्थे । गुरुदेवका साथमा आउने भक्तहरु उहाँसँग अत्यन्त खुशी र कृतज्ञ भएर फर्किनुहुन्थ्यो । मेरो आशय के हुन्थ्यो भने यहाँ गुरुदेवलाई आएर भेट गर्ने सज्जनहरुमध्ये कसैले हाम्रो भौतिक संरचना बनाउन सहयोग गरिदिनुहुन्थ्यो भने हाम्रो कत्रो कल्याण हुन्थ्यो । विद्यार्थीहरूले कति आरामले पढ्न पाउँथे ।

एकदिन म कुनै काम विशेषले बाहिर गएको थिएँ । बेलुका म फर्किएपछि गुरुदेवले दिउँसो आएका आगन्तुकको प्रसङ्ग निकालेर भन्नुभयो, ‘उनीहरूका साथमा राम्रो धर्मचर्चा भयो । खुबै खुशी भएर गएका छन् ।’ गुरुदेवले कुरा गर्दा गर्दै मैले बीचमा आफ्नै आग्रहलाई उहाँसमक्ष राखेँ । ‘गुरुदेव ! हजूरले उनीहरूलाई केही सहयोग गर्न भन्नु भयो ?’ सायद मैले यो प्रश्न ठिक समयमा नगरेको हुनसक्छ गुरुदेवले जवाफ दिनुभयो, ‘तैँले के सम्झिएको छस् ? म यहाँ जोसँग पनि मागेर बसिरहेको हुन्छु ?’ कुरा साँच्चै पनि हो । एउटा मानिसका साथमा धर्म दर्शनको चर्चा गरिरहेको बेलामा गुरुदेवको स्तरको व्यक्तिले कुनै भौतिक कुरा मागिहाल्नु उचित पनि हुँदैन थियो । यहाँको आवश्यकताले मलाई पिरोलिरहने हुँदा मैले हठात् गुरुदेवसँग बेला न कुबेला त्यो प्रश्न सोध्न पुगेको थिएँ ।

ऋषि याज्ञवल्क्यले वाक्ले मानिसले मृत्युलाई जित्न सक्छ भन्ने कुरा मलाई अनौटो लागि रहन्थ्यो । ऋषि याज्ञवल्क्यको यो भनाइलाई गुरुदेव आफ्नो कुराकानीमा बारबार उद्धृत गरिरहनुहुन्थ्यो । मलाई लाग्थ्यो, ‘संसारमा कुरा गर्ने मानिसको त कुनै कमी छैन । अझ कुरा गर्ने कायै नगर्नेहरु त त्योभन्दा धेरै छन् । उसो भए यी सबैले नै के मृत्युलाई जितेका होलान् त ?’ यही प्रश्न मैले गुरुदेवसमक्ष राखेँ ।

मेरो प्रश्नका बारेमा गुरुदेवले एकछिन विचार गर्नुभयो र भन्नुभयो, ‘मेरा अनुभवमा जुन दिन म जिज्ञासुहरुका साथमा राम्रोसँग धर्मदर्शन चर्चा गर्दछु । मैले गरेको चर्चाले उनीहरु सन्तुष्ट भएको जस्तो लाग्दछ । मलाई आफैँलाई पनि यसरी धर्म चर्चाले आनन्द प्रदान गर्दछ त्यसपछि ध्यान गर्न बस्दा मेरो ध्यान गहिरो हुन्छ । जब मलाई गहिरो ध्यान लाग्दछ त्यसबेला मलाई मृत्युको चिन्ता हुँदैन । तसर्थ धर्मदर्शनको उचित चर्चाले निश्चय नै मृत्युको डरलाई जित्न मद्दत पुग्छ भन्ने मेरो बिचार हो ।’ देशसञ्चार

बिआरआई सम्झौतामा नबुझी टिप्पणी भइरहेको छःपरराष्ट्रमन्त्री



काठमाडौँ । परराष्ट्रमन्त्री डा.आरजु राणा देउवाले नेपाल सरकार र चीनबीच हालै सम्पन्न बेल्ट एन्ड रोड इनिसिएटिभ (बिआरआई) फ्रेमवर्क सम्झौतामा ऋण लिने विषय कतै उल्लेख नभएको स्पष्ट गरेकी छन् । नेपाल सरकार र चीनबीच हालै भएको सो सम्झौताका बारेमा गहिरो अध्ययन नगरी हलुकारूपमा टिकाटिप्पणी भइरहेको उनको भनाइ थियो । इन्टरनेसनल कोर्ट अफ जस्टिस्

(आइसिजे) मा जलवायु परिवर्तनसम्बन्धी अन्तर्राष्ट्रिय सुनुवाइमा नेपालका तर्फबाट धारणा राख्न नेदरल्याण्ड्स प्रस्थान गर्नुअघि आज त्रिभुवन अन्तर्राष्ट्रिय विमानस्थलमा उनले भनिन्, ‘हामीले बिआरआईअन्तर्गत सहयोगमा आधारित परियोजनामा हस्ताक्षर गरेका हौं, ऋणलिने भन्ने कुरा कतै छैन ।’ सम्झौताका बारेमा बुझ्दै नबुझी टिप्पणी गरिएको उनको भनाइ थियो । बिआरआई सम्झौताअनुसारका

परियोजनाहरू पनि दुवै देशको सहमतिबाट अघि बढाइने विषय स्पष्टसँग लेखिएकाले नेपालको सहमतिअनुसार नै सो सम्झौता अघि बढ्ने पनि उनले स्पष्ट गरिन् । उनले भनिन्, ‘ऋण लिने भन्ने कुरा त लिने पक्षको मञ्जुरी र आयहमा हुने हो नि । हामीले लिँदैनौं, हामीलाई आवश्यक छैन भने दिने पक्षले पनि कहाँ जबर्जस्ती गर्छ त ? त्यसैले सरकारले ऋण लिनेगरी सम्झौतामा हस्ताक्षर

गन्यो भन्नु बचपना माल हो ।’ नेपालले चीनसँग बिआरआई सम्झौताअन्तर्गत अनुदानमा परियोजनाहरू निर्माण गर्नेगरी हस्ताक्षर गरेको र त्यो पनि सुरक्षा या अन्य कुनै विषयमा नभएर ‘ग्लोबल डेभलपमेन्ट इनिसिएटिभ्स’ अन्तर्गत सहमति गरेको उनले जानकारी गराए ।

नेपाल अहिले ऋण लिन सक्ने अवस्थामा छैन भन्ने कुरा आफूले चिनियाँ विदेशमन्त्रीसँग पनि राखेको र उनीहरू यस विषयमा सहमत भएपछि निकै मेहनत गरेर नेपालले बिआरआईअन्तर्गत नै कोअपरेसन फ्रेमवर्क निर्माण गरी दुवै पक्षको सहमतिअनुसार हस्ताक्षर भएको मन्त्री डा राणाले बताइन् । उनले बिआरआईअन्तर्गत नेपालले चीनसँगको व्यापार, हवाई एवं स्थलगत कनेक्टिभिटी, पूर्वाधार निर्माण तथा आर्थिक सहायताजस्ता विषयलाई प्राथमिकतामा राखेको बताइन् ।

मन्त्री डा.राणा अन्तर्राष्ट्रिय अदालत (आइसिजे) मा जलवायु परिवर्तनका कारण नेपाललाई परेको असर र नेपालले पाउनुपर्ने क्षतिपूर्तिबारे कुरा उठाउन नेपाली प्रतिनिधिमण्डलको नेतृत्व गर्दै आज त्यसतर्फ प्रस्थान गरेकी हुन् । अन्तर्राष्ट्रिय अदालतमा नेपालले पहिलो पटक नेपालमा जलवायु परिवर्तनको वर्तमान अवस्था र यसका कारण नेपालमा परेको असरका बारेमा आफ्नो अवस्था र धारणा राख्न लागेको हो । रासस

राष्ट्रपति अस्पतालबाट डिस्चार्ज

काठमाडौँ ।

राष्ट्रपति रामचन्द्र पौडेल स्वास्थ्यलाभ गरी डिस्चार्ज भएका छन् । उनी गत बुधबार प्रोस्टेटसम्बन्धी उपचारका लागि महाराजगञ्जस्थित त्रिभुवन विश्वविद्यालय शिक्षण अस्पतालमा भर्ना भएका थिए ।

उनको सोही दिन प्रोस्टेटसम्बन्धी शल्यक्रिया भएको हो । अस्पतालका निमित्त कार्यकारी निर्देशक घनश्याम गुरुङले विज्ञप्ति जारी गरेर राष्ट्रपति पौडेल स्वास्थ्यलाभ गरी शनिबार अपराह्न डिस्चार्ज



भएको जानकारी दिएका हुन् । यसैबीच, राष्ट्रपति पौडेलले आफ्नो उपचरमा संलग्न सम्पूर्ण चिकित्सक, स्वास्थ्यकर्मी, अस्पतालका अन्य कर्मचारीलागायत स्वदेश

तथा विदेशबाट आफ्नो स्वास्थ्यलाभको कामना गर्नेहरुप्रति आभार व्यक्त गरेका छन् । राष्ट्रपतिको कार्यालयले जारी गरेको विज्ञप्तिमा उक्त कुरा जनाइएको छ । रासस

बिआरआईबाट देश हित हुन्छः खनाल

काठमाडौँ ।

नेपाल कम्युनिष्ट पार्टी (एकीकृत समाजवादी) का सम्मानित नेता एवं पूर्वप्रधानमन्त्री झलनाथ खनालले विश्वव्यापी रूपमा भौतिक पूर्वाधार निर्माण गर्ने बृहत् चिनियाँ परियोजना बेल्ट एण्ड रोड इनिसिएटिभ (बिआरआई) मुलुकको हितमा रहेको बताएका छन् चीनको साताव्यापी भ्रमण पूरा गरी शनिबार अपराह्न स्वदेश फर्केपछि उनले राष्ट्रको भौतिक विकासका लागि बिआरआई परियोजना सहयोगी हुने

टिप्पणी गरे ।

परियोजना कार्यान्वयनमा अब विलम्ब गर्ननहुनेमा उनको जोड थियो । चिनियाँ पक्षले पनि परियोजनाबारे नेपालको अवधारणा तथा ढिलाइलाई लिएर आफूसँग जिज्ञासा राखेको जानकारी दिए । एक साता लामो चीन भ्रमण सम्पन्न गरी आज स्वदेश फर्किएपछि त्रिभुवन विमानस्थलमा पलकारहरूसँग कुरा गर्दै चीनबाट नेपालमा सडक माध्यमबाट सामान ल्याउँदा धेरै कष्ट

बेहोर्नुपरेकाले यस विषयमा सरकारले चीनसँग आवश्यक छलफल अघि बढाउनुपर्नेमा जोड दिए । चाइना इन्स्टिच्युट फर इनोभेसन एण्ड डेभलपमेन्ट स्ट्राटेजी, चाइनिज पिपल्स इन्स्टिच्युट अफ फरेन अफेयर्स र ग्वाङ्झाउ प्रान्तीय जनसरकारको संयुक्त आयोजनामा ग्वाङ्झाउमा आयोजित अन्डरस्ट्यान्डिङ चाइना कन्फरेन्समा सहभागी भएर नेता खनाल स्वदेश फिर्ता भएका हुन् । रासस

शिक्षालाई ठीक ढंगले अगाडि बढाउनुपर्छः सभामुख

ललितपुर ।

प्रतिनिधिसभाका सभामुख देवराज घिमिरेले शिक्षालाई ठीक ढङ्गले लैजान सकेमाल समाजका सबै समस्या हल गर्न सकिने बताएका छन् । शिक्षक हित बचत तथा ऋण सहकारी संस्था लिमिटेडको शनिबार ललितपुरको जावलाखेलमा आयोजित १६ औँ वार्षिक साधारणसभामा सभामुख घिमिरेले शिक्षाको ज्ञान र चेतना भर्ने शिक्षकले समाजलाई कता लैजाने भन्ने महत्त्वपूर्ण भूमिका निर्वाह गर्ने बताए । ‘शिक्षक शिक्षाको चेतना भर्ने समाजका अगुवा हो, आफू

जलेर समाजलाई अगाडि बढाउने शिक्षकले समाजको विकासमा महत्त्वपूर्ण भूमिका निर्वाह गरेको हुन्छ, समाज परिवर्तनमा शिक्षकले धेरै काम गरेका छन्, राजनीतिक विभाजनले गर्दा शिक्षा क्षेत्रमा धेरै प्रगति हुन सकेको छैन, परिवर्तनका लागि शिक्षकहरू एक ठाउँमा उभिनु जरूरी छ,’ सभामुख घिमिरेले भने । उनले शिक्षकहरूको हीतका लागि सानोसानो पूँजी जुटाएर काम गरेको सहकारी संस्थाले उक्तृष्ट काम गर्दै देशभर अगुवाई गरेर अगाडि बढेकोमा खुसी व्यक्त गरे । उनले भने, ‘धेरै प्रयत्न गरिएको छ,

राजनीतिक दलहरूबीच छलफल गरी आधारभूत कुराहरू टुङ्गोमा पुर्‍याएर निकास दिने तयारीमा छौं ।’ साधारणसभामा नेपाल राष्ट्रिय शिक्षक सङ्घका केन्द्रीय अध्यक्ष विष्णु भण्डारीले शिक्षकहरूद्वारा सञ्चालित ५४ जिल्लाका सहकारीलाई एकलित बनाएर बैकिङ कारोबारमा लैजानुपर्नेमा जोड दिए । साधारणसभामा सहकारीका सञ्चालक समितिका अध्यक्ष शुक्र थापाले आर्थिक वर्ष २०८०÷८१ को वार्षिक प्रतिवेदन पेश गरेका थिए । रासस

राष्ट्रिय सहमतिमा शान्ति प्रक्रिया टुङ्ग्याइने

काठमाडौँ ।

नेपाल कम्युनिष्ट पार्टी (माओवादी केन्द्र)का अध्यक्ष पुष्पकमल दाहाल ‘प्रचण्ड’ले शान्तिप्रक्रिया पूरा गर्न राष्ट्रिय सहमति आवश्यक भएकाले सहमतिमा नै त्यसलाई निष्कर्षमा पुर्‍याइने बताएका छन् । एकीकृत अखिल नेपाल शिक्षक संघका अध्यक्ष दाहालले अन्तिम चरणमा पुगेको शान्ति प्रक्रियालाई राष्ट्रिय समहतिबाटै टुंगोमा पुर्याउनुपर्छ, ‘उनले भने । एकता प्रक्रियामा जोडिएका शिक्षकलाई स्वागत गर्दै उनले यसले बृहत् एकताको बाटो फराकिलो बनाउने बताए । आफू प्रधानमन्त्री भएका बेला विद्यालय शिक्षा विधेयक

पुगेको शान्तिप्रक्रियालाई टुङ्ग्याउन राष्ट्रिय एकता र सहमति अपरिहार्य भएको बताएका हुन् । अध्यक्ष दाहालले अन्तिम चरणमा पुगेको शान्ति प्रक्रियालाई राष्ट्रिय समहतिबाटै टुंगोमा पुर्याउनुपर्छ, ‘उनले भने । एकता प्रक्रियामा जोडिएका शिक्षकलाई स्वागत गर्दै उनले यसले बृहत् एकताको बाटो फराकिलो बनाउने बताए । आफू प्रधानमन्त्री भएका बेला विद्यालय शिक्षा विधेयक

संसद्मा दर्ता भएको जानकारी दिँदै उनले यसलाई पारित गराउन फेरि एकपटक सबैले बल गर्नुपर्नेमा जोड दिए । ‘विधेयक अझै पूर्ण नभएको भनी शिक्षक आन्दोलन भइहेको छ, शिक्षकका माग समेटेर संशोधित विधेयक संसद्को आउँदो अधिवेशनबाट पारित गर्नुपर्छ, ’उनले भने । यो विधेयक पारित गराउन आफूले हरसम्भव प्रयत्न गर्ने प्रतिबद्धता व्यक्त गरे । रासस

स्थानीय स्रोतको उपयोगमा शर्माको जोड

बागलुङ ।

नेपाल कम्युनिष्ट पार्टी (माओवादी केन्द्र)का उपमहासचिव जनार्दन शर्माले स्थानीय स्रोत र साधनको अधिक उपयोग गरी देशलाई आर्थिक समृद्धिको मार्गमा अग्रसर गराउन सकिने बताएका छन् । नेपाल राष्ट्रिय उद्योग –व्यापार सङ्गठनको दोस्रो अधिवेशनको

शनिबार उद्घाटन गर्दै उनले फलाम, तामालागयत बहुमुल्य खनिज उत्खननमा राज्यले ध्यान दिनुपर्नेमा जोड दिए । सूचना प्रविधिको क्षेत्रमा मुलुकले प्रगति गरेको र अझै धेरै गर्ने स्थान रहेकाले त्यसतर्फ पनि विशेष ध्यान दिन आवश्यक भएको उनले बताए । पूर्वअर्थमन्त्री शर्माले यस

भेगका प्रसिद्ध तीर्थस्थल मुक्तिनाथ र कालिका भगवतीमा धार्मिक पर्यटकको आगमन बढाउन कालीगण्डकीमा पाइने शालिग्रामको महत्वबारे प्रचुर मात्रामा प्रचारप्रसारका साथै कालीगण्डकीको तटीय क्षेत्रको विकास अपरिहार्य भएको विचार व्यक्त गरे । रासस

संघ र प्रेदश सरकारप्रति स्थानीय तहका जनप्रतिनिधिको गुनासो

गण्डकी ।

अधिकार र स्रोतसाधनको प्रत्यायोजनमा सङ्घ र प्रदेश सरकार अनुदार देखिएको गुनासो स्थानीय तहका जनप्रतिनिधिले गरेका छन् । प्रदेश नीति तथा योजना आयोगद्वारा शुक्रबार पोखरामा आयोजित प्रदेश विकास समस्या समाधान समितिको बैठकमा उनीहरूले संविधानको व्यवस्था र सङ्घीयताको मर्मअनुरूप तीनै तहका सरकारहरूबीचको सहकार्य र सहअस्तित्वमा जोड दिएका हुन् । गाउँपालिका महासङ्घ, गण्डकीका अध्यक्ष एवं कास्कीको रूपा गाउँपालिकाका अध्यक्ष नवराज ओझाले स्थानीय तहलाई दिइने ससर्त अनुदान घटाउन र सामानीकरण अनुदान बढाउन आग्रह गरे । उनले वित्त आयोगले निटष्ट गरेबमोजिम सङ्घ र प्रदेश सरकारले स्थानीय तहलाई सामानीकरणतर्फको अनुदान वृद्धि गर्नुपर्नेमा जोड दिए । अध्यक्ष ओझाले जग्गा प्राप्तिस्मबन्धी कानुनी जटिलताका कारण गण्डकी प्रदेशभित्र २७ वडा कार्यालयका लागि जग्गा प्रातिको प्रक्रिया रोकिएको बताए । ‘व्यक्तिको जग्गा लिन पनि सङ्घ सरकारको मन्त्रिपरिषद्को निर्णय चाहिने र जग्गाको मापदण्डसम्बन्धी प्रावधान पनि सहज नभएका कारण जग्गा लिने प्रक्रिया नै झन्झटिलो बनेको छ’ उनले भने । अध्यक्ष ओझाले योगदानमा आधारित सामाजिक सुरक्षा कोषको दायित्व स्थानीय तहले माल बहन गर्न नसक्ने भन्दै

कानुनले निटष्ट गरेबमोजिम तीन तहका सरकारले उक्त कोषमा साझेदारी गर्नुपर्ने बताए । उनले प्रदेश सरकारले टुक्रे योजना अन्त्य गर्ने जनाए पनि चालु आवमा त्यस्ता योजनाले निरन्तरता पाएको बताए । ‘प्रदेश समस्या समाधान समितिको बैठकले नै रु ३० टुक्रे योजना हटाउने नर्णय गरेको थियो, तर बजेट आउँदा पाँच÷दश लाखका योजना पनि समावेश भएर आए’, उनले भने, ‘आवश्यकता पहिचान नगरी नेता÷कार्यकर्ताको दबाबमा बजेट बाँड्ने प्रवृत्तिलाई प्रदेश सरकारले पनिरोक्नसक्ने ।’ तनहुँको ब्यास नगरपालिकाका प्रमुख बैकुण्ठनाथ न्यौपानेले स्थानीय तहअन्तर्गत रहेका जिल्ला समन्वय समितिको राजस्व र आम्दानीलाई सङ्घीय सञ्चित कोषमा जम्मा गर्नुपर्ने प्रावधान संविधानको भावना विपरीत भएको बताए । ‘जिल्ला समन्वय समितिले सङ्कलन गर्ने राजस्व नगरपालिका र गाउँपालिकाले जस्तै गरी स्थानीय तहभित्रै बाँडफाँड र खर्च गर्न पाउनुपर्छ’, उनले भने । बागलुङको बडिगाड गाउँपालिकाका अध्यक्ष गण्डकी थापा अधिकारीले सङ्घ सरकारले सुरु गरेका दर्जनौँ खानेपानी आयोजना अलपल अवस्थामा रहेको भन्दै तिनको व्यवस्थापन गर्नुपर्ने बताए । उनले योगदानमा आधारित सामाजिक सुरक्षा कोषको दायित्व स्थानीय तहलाई बढी भएको बताए । संघ सरकारको विभागीय मन्त्रालयसँग सम्झौता गरी उक्त कोष सञ्चालनमा

ल्याइएको उल्लेख गर्दै कानुनले निटष्ट गरेबमोजिम तीन तहका सरकारको ३३÷३३ प्रतिशत दायित्व सुनिश्चित गर्नुपर्ने अध्यक्ष अधिकारीले बताए । कास्कीका प्रमुख जिल्ला अधिकारी भरतमणि पाण्डेले कतिपय स्थानीय तहले निकासी कर लगाएको गुनासो आएको भन्दै स्थानीय तहले दोहोरो कर लगाउन नमिल्ने बताए । मुख्यमन्त्री एवं समितिका अध्यक्ष सुरेन्द्रराज पाण्डेले बैठकलाई निर्णय कार्यान्वयनका लागि प्रदेश सरकार प्रतिबद्ध रहेको बताए । उनले प्रदेशबाट राष्ट्रिय समस्या समाधान समितिमा पठाइएका माग र प्रस्ताव कार्यान्वयनमा आउन नसकेकामा दुःखेसो व्यक्त गरे । ‘राष्ट्रिय विकास समस्या समाधान समिति र राष्ट्रिय समन्वय परिषद्को बैठकमा भएका निर्णय पनि कार्यान्वयन भएको देखिँदैन’, मुख्यमन्त्री पाण्डेले भने । मुख्यमन्त्री पाण्डेले पुराना जीर्ण आयोजना सम्पन्न गर्ने र आगामी बजेटमा टुक्रे योजनालाई कडाइका साथ रोक्ने बताए ।

स्थानीय तह र प्रदेश सरकार सञ्चालनमा देखिएका कतिपय कानुनी र नीतिगत अप्फ्यारालाइ फुकाउँदै लगिने उहाँले उल्लेख गरे । मुख्यमन्त्री पाण्डेले यातु बोक्ने ‘राइड शेयरिङ’ कम्पनीलाई वैधानिकता दिइने बताए । प्रदेशको सवारी तथा यातायात व्यवस्था नियमावली–२०८०

को व्यवस्थाअनुसार ‘राइड शेयरिङ’ले कानुनी मान्यता पाउने उनको भनाइ छ । ‘नियमावली मन्त्रिपरिषद्बाट पास हुने क्रममा छ, यातायात व्यवसायीहरूसँग पनि ‘राइड शेयरिङ’लाई कानुनी दायरामा ल्याउने विषयमा विभिन्न चरणमा छलफल भइसकेको छ’, मुख्यमन्त्री पाण्डेले भने, ‘यातायात व्यवस्थापनसम्बन्धी अधिकार प्रदेश सरकारको क्षेताधिकारभित्र रहेकाले आवश्यक कानुनी प्रबन्ध गरेर राइड शेयरिङलाई वैधता दिन लागिएको हो ।’ मुख्यमन्त्री पाण्डेले सर्वोच्च अदालतले पनि कानुनी दायरामा ल्याएर ‘राइड शेयरिङ’ सञ्चालन गर्न सकिने फैसला गरेको उल्लेख गरे । यसअघि गत असारमा प्रदेश राजधानी पोखरामा अनधिकृत रूपमा ‘एप’मार्फत ‘राइड शेयरिङ’ गरी यातु बोक्ने कार्यलाई प्रदेशको यातायात मन्त्रालयले रोक लगाएको थियो । यातायात व्यवसायीले सवारी तथा यातायात व्यवस्था ऐन २०४९ विपरीत रातो नम्बर प्लेट भएका सवारीसाधनले यातु बोक्न नपाउने भन्दै विरोध जनाउँदै आएका छन् । प्रदेश सरकारले बनाएको नियमावलीमा निजी प्रयोजनका लागि दर्ता प्रमाणपत्र प्राप्त चारपाइघ्रे तथा दुईपाइघ्रे सवारीसाधनले यातु बीमासहित तोकिएको प्रक्रिया पूरा गरेर यातु बोक्न पाउने व्यवस्था छ । मन्त्रिपरिषद्बाट नियमावली पास भएपछि मापदण्ड र कार्यविधि

बनेपछि माल निजी सवारीसाधन ‘राइड शेयरिङ’मा दर्ता हुन पाउनेछन् । समितिको बैठकबाट राष्ट्रिय विकास समस्या समाधान समितिमा विभिन्न १६ वटा प्रस्ताव पठाउने निर्णय भएको प्रदेश नीति तथा योजना आयोगका उपाध्यक्ष कृष्णचन्द्र देवकोटाले जानकारी दिए । संघ सरकारबाट प्राप्त हुने समानीकरण अनुदानको हिस्सा बढाउने तथा ससर्त अनुदानतर्फ राष्ट्रिय लक्ष्य र प्राथमिकताको क्षेत्र निर्धारण गरी एकमुष्ट बजेट विनियोजन गरी आयोजना छनोट गर्ने अधिकार प्रदेश सरकारलाई प्रदान गर्न सङ्घीय सरकारलाई अनुरोध गर्ने पहिलो प्रस्ताव छ । त्यसैगरी, संविधानबमोजिम प्रदेशको अधिकार क्षेत्रअन्तर्गत पर्ने ट्राफिक जरिवाना र अन्तरप्रदेश ‘रुट’ इजाजतबापत सङ्कलन गरिएको रकम हालसम्म राष्ट्रिय सञ्चित कोषमा दाखिला हुने गरेकोले सो रकम प्रदेश सञ्चित कोषमा दाखिला गर्न माग गरिएको छ । प्रदेश मन्त्रालयगत बजेट सूचना प्रणालीमा आयोजना तथा कार्यक्रमको वित्तीय प्रगतिको साथै भौतिक प्रगतिसमेत प्राप्त हुने व्यवस्था मिलाउँदै प्रदेश आयोजना बैंक र प्रदेश मन्त्रालयगत बजेट सूचना प्रणालीबीच कार्यात्मक अन्तरआबद्धता काh यम गर्नेलागतका निर्णय गरिएको प्रदेश नीति तथा योजना आयोगले जनाएको छ । रासस

एनपिएल: कर्णाली याक्स सात रनले विजयी

काठमाडौँ । नेपाल प्रिमियर लिग (एनसपिएल) अन्तर्गत शनिबार भएको दोस्रो खेलमा कर्णाली याक्स सात रनले विजयी भएको छ । एक सय ३४ रनको मध्यम लक्ष्य पछ्याएको विराटनगर किङ्ग्स कर्णालीका नन्दन यादवको कसिलो बलिङमा निर्धारित २० ओभरमा आठ विकेटको क्षतिमा एक सय २६ रनमा समेटियो । कर्णालीको जितमा नन्दन यादवले चार ओभर बलिङ गर्ने क्रममा १९ रन खर्चेर तीन विकेट लिए । साथै विपीन यादवले दुई तथा सोमपाल कामी, विलियम वोसिस्टोले र उनिश ठकुरीले एक÷एक विकेट लिए । विराटनगरका लागि निकोलस कीर्तनले ३९ बलमा चार चौका

र एक छक्काको सहयोगमा ४० रन बनाए पनि जितका लागि पर्याप्त भएन् । उसका लागि ओपनर लोकेश बमले १९ र दीपक बोहोराले १८ रनको योगदान दिए भने अन्य ब्याटरले दोहोरो अङ्कमा रन बनाउन सकेनन् ।

किर्तिपुरस्थित लिभुवन विश्वविद्यालयको क्रिकेट मैदानमा टस हारेर पहिलो ब्याटिङको निम्तो पाएको कर्णाली याक्सले निर्धारित २० ओभरमा सबै विकेट गुमाउँदै एक सय ३३ रन मात्रै बनाएको थियो ।

उसका लागि विलियम वोसिस्टोले ४९ बलमा पाँच चौका र तीन छक्काको सहयोगमा ६६ रन बनाए । साथै ओपनर देव खनालले ४८ बलको सामना गर्ने क्रममा चार चौका र दुई छक्का प्रहार गर्दै

५३ रनको योगदान दिए । कर्णालीका पाँच ब्याटरले खाता नै खोल्न सकेनन् । गुलशन झा, सोमपाल कामी, नन्दन यादव, विपीन शर्मा र उनिश ठकुरी शून्य रनमा आउट भए । अघिल्ला दुई वटा खेलमा चम्केका ओपनर शिखर धवनले व्यक्तिगत पाँच रन छँदा आउट भए ।

कर्णाली याक्सलाई मध्यम स्कोरमा समेट्ने क्रममा बिराटनगरका लागि प्रतीश जिशीले चार विकेट लिए । साथै क्रिस सोल र बसिर अहमदले समान दुई विकेट लिए भने अकिब इलायसले एक विकेट लिए । चार खेलमा दुईमा जित हासिल गरेको कर्णालीसँग चार अङ्क छ भने समान खेल खेलेको विराटनगरसँग एक जितका साथ दुई अङ्क छ । रासस

एनपिएल: सुदूरपश्चिमले लगातार तेस्रो खेल जित्दा, लुम्बिनीको तेस्रो हार

काठमाडौँ । नेपाल प्रिमियर लिग (एनपीएल) मा सुदूरपश्चिम रोयल्सले लुम्बिनी लायन्सलाई ४५ रनले हराउँदै लगातार तेस्रो जित निकालेको छ । लुम्बिनी लायन्सले भने लगातार तेस्रो खेलमा हार भोग्न पुगेको छ । टियू मैदान कीर्तिपुरमा शनिबारको पहिलो खेलमा टस हारेर पहिले ब्याटिङ गरेको सुदूरपश्चिमले दिएको १ सय ८८ रनको लक्ष्य पछ्याएको लुम्बिनी निर्धारित २० ओभरमा ९ विकेट गुमाएर १ सय ४२ रन बनायो ।

लुम्बिनीका लागि विवेक यादवले ५४ बलमा ३ चौका र ७ छक्का प्रहार गर्दै ७७ रन बनाएपनि टिमको हार टार्न सकेनन् । त्यसअघि लुम्बिनीले खराब सुरुवात गर्दै १९ रनमा ५ विकेट गुमाएको थियो ।

उसका लागि थप दोहोरो स्कोरका रुपमा सन्दीप जोराले २० रन बनाए भने दिनेश अधिकारीले १४ रन बनाएका थिए । अन्य खेलाडीले भने दोहोरो स्कोरमा रन बनाउन सकेनन् ।

सुदूरपश्चिमका ओपनर साइफ जाइबले सर्वाधिक ९० रन बनाउँदा उनले ६१ बल खेल्दै ६ चौका र ५ छक्का प्रहार गरेका थिए । त्यस्तै विनोद भण्डारीले १७ रन बनाए भने ब्रान्डन



बोहराका नाममा १ विकेट रहेको थियो । त्यसअघि टस हारेर पहिले ब्याटिङ गरेको सुदूरपश्चिमले निर्धारित २० ओभरमा ४ विकेट गुमाएर १ सय ८७ रन बनाएको थियो ।

सुदूरपश्चिमका ओपनर साइफ जाइबले सर्वाधिक ९० रन बनाउँदा उनले ६१ बल खेल्दै ६ चौका र ५ छक्का प्रहार गरेका थिए । त्यस्तै विनोद भण्डारीले १७ रन बनाए भने ब्रान्डन

म्याकमुलनले २३ रनको स्कोर तयार गरेका थिए ।

सुदूरपश्चिमका कप्तान दिपेन्द्र सिंह ऐरी १९ बलमा ४ चौका र २ छक्का प्रहार गर्दै ३९ रनमा अविजित फर्किएका थिए । त्यस्तै स्कट कुगेलिङ्गले ११ रन बनाएर उनलाई साथ दिएका थिए ।

लुम्बिनीका लागि रामोन सिमोन्डले २ विकेट लिँदा रोहित पौडेल र विवेक यादवले १–१ विकेट लिएका थिए ।

जितपछि सुदूरपश्चिमको तीन खेलमा ६ अङ्क भएको छ । उसले पहिलो खेलमा बिराटनगरलाई ९० रनले हराएको थियो भने दोस्रो खेलमा काठमाडौँलाई ७३ रनले हराएको थियो ।

लुम्बिनीको भने यो तेस्रो हार हो । पहिलो खेलमा बिराटनगरसँग २ विकेटले हारेको लुम्बिनी दोस्रो खेलमा पोखरासँग १० विकेटले हारेको थियो । रासस

नेपालमा खेलकुद उत्सव छाइरहेको छ: मन्त्री चौधरी



काठमाडौँ । युवा तथा खेलकुदमन्त्री तेजुलाल चौधरीले पछिल्लो समय एकपछि अर्को महत्वपूर्ण प्रतियोगिता आयोजना भइरहेकाले नेपालको खेलकुद क्षेत्रमा उत्सव छाइरहेको बताएका छन् ।

काठमाडौँमा शनिबार नेपाल आँखा अस्पतालको २० औँ वार्षिक साधारणसभामा उनले मुलुकमा निरन्तर खेलकुद प्रतियोगिता भएपछि खेलकुद क्षेत्र र खेलाडीमा उत्साह र उमङ्ग बढेको धारणा व्यक्त गरे । मन्त्री

चौधरीले भने, ‘राष्ट्रिय तथा अन्तर्राष्ट्रिय पदकधारी खेलाडीलाई रोजगारी र अन्य सुविधा दिन नकेकाकारण विदेश पलायन हुनेको सङ्ख्या चुनौतीका रुपमा बढिरहेको छ ।

अस्पतालले निःशुल्क औषधोपचार उपलब्ध गराइ यसलाई रोक सहयोग पुर्‍याउन सक्छ ।’

आँखासहितका अस्पतालमा खेलाडीको उपचारमा सहज पहुँच हुन आवश्यक रहेको बताउँदै अस्पतालका आजीवन

सदस्यसमेत रहनुभएका मन्त्री चौधरीले कतिपय खेलाडीको बिमा नभएकाले खेलकुद क्षेत्रमा उज्ज्वल भविष्य भएका खेलाडी विदेशपलायन भइरहेको उल्लेख गरे ।

आँखामा रोग लागेपछि उपचारभन्दा रोग लास्रै नदिन अपनाउन पर्ने सचेतना महत्वपूर्ण हुने धारणा व्यक्त गर्दै मन्त्री चौधरीले नेपाल आँखा अस्पतालले सेवा प्रवाह र गुणस्तरमा धेरै सुधार ल्याएको भनी प्रशंसा गरे । रासस

दमकको १८ तले भवन प्रधानमन्त्रीले उद्घाटन गर्दै



झापा । दमकमा बहुपयोगी १८ तले भवन निर्माण भएको छ । दमक नगरपालिका–३ दापगाछीमा एक अर्ब ४५ करोड रुपैयाँ को लागतमा निर्मित भवनको प्रधानमन्त्री केपी शर्मा ओलीले आइतबार उद्घाटन गर्ने कार्यक्रम छ ।

‘दमक बिजनेस कम्प्लेक्स’ नामकरण गरिएको उक्त भवन चिनियाँ निर्माण कम्पनी

जेडसिजीआइआइसी र आशिष ओम साइराम कम्पनीले संयुक्त रूपमा बनाएका हुन् ।

सरकारले विकास समितिमार्फत भवन सञ्चालनको तयारी गरेको सहरी विकास तथा भवन निर्माण आयोजनाका इन्जिनियर भूपेन्द्र यादवले बताए । व्यापारिक प्रयोजनका निम्ति भवन उपयुक्त रहेको उनले बताए । प्रधानमन्त्री

ओलीले नै पाँच वर्षअघि भवन निर्माणको शिलान्यास गरेका थिए । यसैबीच, प्रधानमन्त्री ओलीले मेचीनगर–४ बाहुनडाँगी स्थित मानव आश्रम भवनको आइतबार नै उद्घाटन गर्ने कार्यक्रम छ । उनका साथ प्रथम महिला राधिका शाक्य पनि भवन उद्घाटनमा सहभागी हुने नगरप्रमुख गोपाल बुढाथोकीले बताए । रासस

इस्लामाबाद । पाकिस्तानको सर्वोच्च अदालतले सन् २०२३, १० मे को घटनाहरूको अनुसन्धान गर्न न्यायिक आयोग गठन गर्न माग गर्दै पीटीआईका संस्थापक इमरान खानले दायर गरेको याचिकामा डिसेम्बर १० मा सुनुवाइ गर्ने समय तय गरेको छ ।

सर्वोच्च अदालतले शुक्रबार जारी गरेको कारण सूची अनुसार न्यायाधीश अमिनुद्दीन खानको

नेतृत्वमा रहेको सात सदस्यीय संवैधानिक इजलासले मुद्दाको अध्यक्षाता गर्नेछ । याचिका दुई महत्त्वपूर्ण घटनाहरूको छानबिन गर्न न्यायिक आयोगहरूको लागि इमरान खानको मागसँग जोडिएको छ ।

बिहीबार पूर्वप्रधानमन्त्रीले आफ्नो आयोगको स्थापनाबारे पोष्ट गरेका थिए । सरकारसँग संलग्न हुन गठित वार्ता टोलीमा ओमर अयुब खान,

अली अमीन गण्डापूर, साहिबजादा हमिद रजा, सलमान अक्रम राजा र असद कैसर रहेका छन् ।

इमरानले यस विषयमा आफ्ना मागहरू दोहोर्‍याउँदै भने, ‘हाम्रा दुईवटा मागहरू छन् । घटनाहरूको स्वतन्त्र अनुसन्धान गर्न सर्वोच्च अदालतका सबैभन्दा वरिष्ठ न्यायाधीशहरूको नेतृत्वमा आयोग गठन गर्नुपर्छ । अन्यायपूर्वक थुनिएका राजनीतिक बन्दीहरूलाई

रिहा गरिनुपर्छ ।’ इमरानले यी मागहरू पूरा नभएमा पीटीआईद्वारा ‘नागरिक अवज्ञा, रेमिट्यान्समा कमी र बहिष्कार आन्दोलन’ सुरु गर्ने चेतावनी दिए । यस मुद्दाको अतिरिक्त, फेब्रुअरीको आम चुनावमा धाँधली भएको आरोप लगाउँदै पीटीआईका संस्थापकले दायर गरेको छुट्टै याचिकामा डिसेम्बर ११ मा अर्को सुनुवाइ हुने छ । रासस

रिहा गरिनुपर्छ ।’ इमरानले यी मागहरू पूरा नभएमा पीटीआईद्वारा ‘नागरिक अवज्ञा, रेमिट्यान्समा कमी र बहिष्कार आन्दोलन’ सुरु गर्ने चेतावनी दिए । यस मुद्दाको अतिरिक्त, फेब्रुअरीको आम चुनावमा धाँधली भएको आरोप लगाउँदै पीटीआईका संस्थापकले दायर गरेको छुट्टै याचिकामा डिसेम्बर ११ मा अर्को सुनुवाइ हुने छ । रासस

‘चुलोचौकाबाट नागरिक वैज्ञानिकसम्म’

दोलखा ।

टेलिभिजन च्यानलले समाचारको अन्त्यमा दिने मौसमसम्बन्धी जानकारीमा जिरीमा आज यति मिलिमिटर पानी पऱ्यो वा मौसम सफा रहनेछ भनेको सुन्दा जिल्लाभरि नै त्यति नै परिमाणमा पानी परेको वा मौसम सफा रहेको होला भन्ने यदुनाथ न्यौपानेलाई लाग्थ्यो । जब उनी आफैँले मौसमको पूर्वानुमान गर्नसक्ने भए, जिरीको मौसम र जिल्लाको अन्य भागको मौसमको अवस्था एकैनास हुने रहेनछ, ठाउँअनुसार फरक हुने रहेछ भन्ने ज्ञान भयो, अब उनी हरेक दिन आफू वरपरको मौसमको पूर्वानुमान गर्नसक्ने भएका छन् ।

मौसम पूर्वानुमानमा स्थानीय व्यक्तिहरूको क्षमता अभिवृद्धि गराउने र स्थानीयस्तरमै नागरिक वैज्ञानिक तयार गर्ने उद्देश्यले छ महिनाअघि भीमेश्वर नगरपालिकामा सञ्चालन गरिएको तालिम र सामान्य प्रविधिको माध्यमबाट उनमा यो क्षमता विकास भएको हो । उनी भन्छन्, ‘अब कति पानी पर्दा कस्तो क्षति हुनसक्छ, बाढी, पहिरोजस्ता विपद्बाट कसरी समुदायलाई सुरक्षित राख्न र विकास निर्माणका कामहरू गर्दा जोखिम न्यूनीकरण गर्न सकिन्छ भन्ने जानकारी पनि भएको छ ।’

एशियाली पूर्व तयारी केन्द्र (एडिपिसी) को सहयोगमा भीमेश्वर नगरपालिका, इन्टिच्युट अफ हिमालयन रिक्स (आइएचआरआर) र स्मार्टफोन फर वाटर नेपाल (एस४डब्लु) को संयुक्त पहलमा सञ्चालन गरिएको भिक्ट्री नामक परियोजनामार्फत यदुनाथसहित नगरपालिकाका नौवटै वडाका पाँच÷पाँचजना



भासिनसक्ने अवस्थामा विद्यालय बन्द गराउनेजस्ता कार्यहरू हुँदा जिल्लाकै अति जोखिम मानिएको यस नगरपालिकामा ठूलो जनधनको क्षति हुन पाएन । विषयत गहन अध्ययन गरी विशेषज्ञता हासिल गरेका व्यक्तिलाई वैज्ञानिक भन्ने बुझ्नेकी वडा नं १ की निशा थामीलाई कुनै दिन आफू पनि नागरिक वैज्ञानिक बन्न सकिन्छ भन्ने लागेको थिएन । घरको चुलोचौका र मेलापातमै सीमित रहेका महिलाहरूले मौसमको पूर्वानुमान गर्न सक्छन् भन्ने कुरामा गाउँका कसैले पनि विश्वास गर्ने कुरै थिएन । उनी भन्छिन्, ‘शुरुमा त यस्ता पनि वैज्ञानिक रे भनेर हामीलाई हस्सीबजाकमा उडाइएको थियो ।’ साधारण लेखपढ माल गर्न सक्ने उनी आज सामान्य प्रविधिकै भरमा मौसमको पूर्वानुमान गर्न सक्ने भएको देख्दा समाजमा अलग्गै पहिचान बनेको छ । त्यतिमाल होइन, अब गाउँलेहरू मौसमको आधारमा कुन दिन खेतीपाती गर्ने, खेती थन्काउने, टाढाको

८:४५ बजे नागरिक वैज्ञानिकले मोबाइल प्रविधि प्रयोग गर्दै फोटोसहितको फारम भरेर डाटा सम्प्रेषण गर्ने गछिन् । उनले पठाएका डाटा नगरपालिका र मोबाइल एपमा समेत हेर्न सकिनेछ भने त्यसको आधारमा मौसमको विवरण थाहा हुने गर्दछ । खुल्ला आकाशमुनि राखिने बोटलको भूईँ सतहलाई समान बनाउन सिमेन्ट ढलानको प्रयोग गरिएको हुन्छ भने त्यसमा परेको पानी वास्पीकरण नहोस् भन्नका लागि ढक्कनको समेत व्यवस्था गरिएको हुन्छ । नागरिक वैज्ञानिकले सूचना सङ्कलनका लागि मोबाइल प्रविधि प्रयोग गरी मोबाइल एप्लिकेसनमार्फत आफू नजिकै देखापरेको बाढी, पहिरोको घटनालाई समेत फोटो र भौगोलिक अवस्थिति (जीपीएस) राख्दै सम्प्रेषण गर्ने गर्दछन् । मोबाइल प्रविधिमा सूचना सङ्कलन गरिएको वास्तविक मिति, समय र स्थानको पनि अभिलेख रहने भएकाले सम्प्रेषित भएको डाटा भरपर्दो मानिन्छ ।

फोनमा उपलब्ध प्रविधिको प्रयोग गरी विपद् व्यवस्थापन गर्न सकिने आत्मविश्वास बढेको बताउँछिन् । स्थानीय जनप्रतिनिधिसमेत रहेका उनी भन्छिन्, ‘विपद्बाट जनताको जीउधन र राज्यका भौतिक सम्पत्तिको सुरक्षा गर्ने कार्यमा सहभागी हुन पाउँदा खुशी लागेको बताउँदै यस कार्यक्रमलाई पालिकाले निरन्तरता दिनुपर्ने छ ।’ यस परियोजनाले सामान्य नागरिकलाई समेत वैज्ञानिक योगदान गर्न उत्प्रेरित गरेको छ । नागरिक वैज्ञानिकहरूले सम्प्रेषण गरेका मौसमी सूचनाका आधारमा पूर्वतयारी गर्दा यसपटकको मनुसन अवधिमा जिल्लामा ठूलो जनधनको क्षति हुन पाएन । आमनागरिकले आफ्नो बौद्धिक प्रयास, क्षमता, आफ्नो वरिपरिको वातावरणको सुक्ष्म अवलोकन र त्यसको अनुभव तथा आफूसँग भएका सीमित स्रोत–साधनको प्रयोगले वैज्ञानिक खोज तथा अनुसन्धानमा अतुलनीय योगदान पुऱ्याएका छन् । हाल

विज्ञानको प्रयोग भरहेको देख्न सकिन्छ । आम नागरिकको संलग्नतामा गरिने वैज्ञानिक खोज तथा अनुसन्धान कार्यलाई ‘नागरिक विज्ञान’ र यस्तो काममा संलग्न नागरिकलाई ‘नागरिक

प्राकृतिक विपद्बाट सुरक्षित रहन स्थानीयस्तरमै प्रभावमा आधारित मौसम पूर्वानुमान गर्नसक्ने नागरिक वैज्ञानिक अभियानलाई कार्यान्वयनमा ल्याइएको आइएचआरआरका कार्यकारी निर्देशक सुरज

उनीहरूले हरेक दिन बिहान एपबाट गाउँको अवस्था, वर्षा मापन, पहिरोको जोखिम भएको क्षेत्रको तस्बिरसहितको सूचना नगरपालिकामा अपडेट गराउने गरेका छन् । साधारण प्रविधि र तालिम प्रदान गरी स्थानीयस्तरमै नागरिक वैज्ञानिक तयार गर्दा विपद्बाट हुने जनधनको क्षति न्यूनीकरण गर्न सकिने भीमेश्वर नगरपालिकाबाट प्राप्त अनुभवका आधारमा यसवर्ष मनाङ र लमजुङका दुई पालिकामा पनि नागरिक वैज्ञानिक कार्यक्रम सञ्चालन गरिएको गौतमले जानकारी दिए ।

एस४डब्लुका डा सन्जीव न्यौपानेले स्थानीयस्तरबाटै प्राप्त मौसमी सूचनाका आधारमा मौसम पूर्वानुमान गरिने हुँदा यसलाई अझ भरपर्दो र व्यवस्थित गराउन सकिएमा प्राकृतिक विपद्बाट हुने क्षति न्यूनीकरण गर्न सकिने बताउनुभयो । विपद् व्यवस्थापनमा नागरिक वैज्ञानिक कार्यक्रमको निकै प्रभावकारी रहेकाले यस्ता



वैज्ञानिक’ भन्ने गरिन्छ ।

गौतम बताउँछन् ।बिहान चिया पसलहरूमा हुने राजनीतिक गफको सट्टा मौसम पूर्वानुमानका विषयमा हुने कुराकानीले जीउधनको सुरक्षा गर्न सकिने उनको तर्क छ ।

नागरिक वैज्ञानिकहरूद्वारा सम्प्रेषित सूचनाका कारण यसपटकको मनसुनमा विपद्बाट समयमै सुरक्षित रहन, पहिरोमा परेकाको उद्धार गर्न सहज भएको नगरपालिकाले जनाएको छ । पहिरोको उच्च जोखिममा रहेको पालिकालाई विपद् व्यवस्थापनयुक्त बनाउन नागरिक वैज्ञानिक अभियान निकै प्रभावकारी देखिएकाले यसलाई निरन्तरता दिँदै छिमेकी पालिकाहरूमा पनि विस्तार गर्नुपर्ने नगरपालिकाका वरिष्ठ इन्जिनीयर सुरेश राउतले बताए ।

विपत्का घटनाको सूचना र वर्षामापनका लागि प्रविधिमा प्रशिक्षण गराएको विपत पूर्वतयारी थाल्न नगरपालिकाले नागरिक वैज्ञानिकलाई मोबाइल एपमार्फत सूचना सङ्कलन र हरेक दिन वर्षामापन गर्ने प्रविधि दिइएको छ भने

सफल अभ्यासहरूलाई सबै पालिकाहरूमा विस्तार गर्नुपर्नेमा जोड दिए ।

मनसुनको समयमा हुने भारी वर्षाले वर्षेनी पहाडी भेगमा पहिरोको प्रकोप हुने गरेको छ भने नदीको बहाव बढाउँदै उत्तरी हिमाल र शिवालेक क्षेत्बाट माटो र गेरान बगाउँदै बाढी, पहिरोको विपद् निम्त्याउने गरेको छ । यस्ता प्रकोपहरूको निगरानीका लागि पर्याप्त मालामा वर्षामापत केन्द्रहरूको आवश्यकता पर्दछ । नेपालको भूवनोट र सूक्ष्म जलवायुका कारण हाल सञ्चालनमा आएका केन्द्रहरू पर्याप्त छैनन् । नगरपालिकाभित्रका विभिन्न वडामा वर्षाको भिन्नताको विश्लेषण गर्दै सो वर्षाको कारण निम्तिएका घटनाहरूको अभिलेख राख्न पनि मद्दत पुगेको छ । त्यसैगरी मौसमविद्हरूले प्राप्त तथ्याङ्कहरूको आधारमा विश्लेषण गरी मौसमको समग्र अध्ययन गर्न सक्नेछन् । नागरिक र विज्ञानलाई संयोजन गरिएको यस परियोजनाको कार्यान्वयनबाट जोखिम सुसूचित समाज निर्माणमा सहयोग पुग्ने देखिन्छ । रासस



सर्वसाधारणलाई प्रशिक्षित गरी साधारण उपकरणमार्फत मौसम पूर्वानुमान गरिएको थियो । नागरिक वैज्ञानिकहरूको सूचनाकै आधारमा पहिरोको जोखिममा रहेको घरलाई स्थानान्तरण गर्ने, पहिरोमा सडक

यात्रा गर्नेजस्ता जानकारी लिन उनी कहाँ आउने गर्छन् । उनी सामान्य भिक्ट्री परियोजनामार्फत प्रयोगमा नआएको कोकाकोला २.२५ लिटरको बोटललाई वर्षा मापनका लागि गेजको रूपमा प्रयोग गरी हरेक दिन बिहान

अर्की नागरिक वैज्ञानिक कमला ओलीले आफू रहेको स्थान वरिपरि हुने वर्षाको माला माल नभई खोलानालाका पानीको स्तर, बहाव गति र भूमिगत पानीको मालालगायतका तथ्यहरू नियमित मापन गरी मोबाइल

यो कार्यक्रम बर्दियाको बारबर्दिया नगरपालिकामा पनि ४५ जना नागरिक वैज्ञानिकमार्फत बाढी मापनमा मौसमी पूर्वानुमानको कार्य भइरहेको छ । विश्वभर नै सरल, सस्तो एवम् प्रभावकारी विधिका रूपमा नागरिक

जलवायु परिवर्तनका कारण विश्वभर नै तापमान वृद्धि, भारी वर्षा, भूमिगत पानीको बहाव ढाँचामा परिवर्तनलगायतका विभिन्न परिवर्तनहरू देखिन थालेको र यसले अनेक विपद्हरू पनि निम्त्याएको अवस्थामा बाढी, पहिरोजस्ता

‘फेसबुकिया नेता’ देखेर दिक्क लाग्छः प्रमुख सिंह



मधेशहट्टि वीरगंज । वीरगंज महानगरपालिकाका प्रमुख राजेशमान सिंहले फेसबुकिया नेताहरु देखेर दिक्क लाग्ने गरेको बताएका छन् । वीरगंजमा शनिबार आयोजित सानो पाईला संस्थाको १८ औं स्थापना दिवस तथा छैठौं साधरणसभालाई सम्बोधन गर्दै

मेयर सिंहले आजको युवा पुस्तामा नकरात्मकताको सोच हाबी भएको र जायज नाजाय सबै कुण्ठा फेसबुकमै पोस्ने गरेको बताए । यसले समाजलाई सही बाटोमा नलगेर भन्दै मेयर सिंहले राजनीतिक नेतृत्वको स्वस्थ आलोचना गर्नु पर्छ, तर आँफुले चाहेको वा आफ्नो स्वार्थको हितमा भएन

भने फेसबुकमा अरुलाई गाली गरेर कुण्ठा पोख्नु गलत भएको बताए । अरुलाई अर्ति उपदेश दिन निक्कै सहज हुने तर त्यहि कुरा आफूमा लागू गर्न गाह्रो हुने गरेको भन्दै मेयर सिंहले अरुलाई अर्ति उपदेश दिनुभन्दा पहिले त्यहि कुरा पहिले आफैंमा लागू गरेर अरुलाई अर्ति उपदेश दिदाँ

राम्रो हुने बताए । राजनीति वा देशको नेतृत्व कसैलेपनि विरासतमा नपाउने भन्दै उनले त्यसका लागि लगनशील र धैर्य भएर जनताको विश्वास जिबुपर्ने आवश्यकता जोड दिए । वीरगंजलाई ‘वैेभव वीरगंज’ बनाउने आफ्नो अभियानमा साथ दिन उनले वीरगंजका युवा पुस्तालाई आह्वान पनि गरे । सानो पाईलाका अध्यक्ष सुदिप कुमार तामाङ लामाको अध्यक्षता तथा वीरगंजका मेयर सिंहको प्रमुख आतिथ्यतामा भएको कार्यक्रममा सखुवा प्रसौनी गाँउपालिकाका अध्यक्ष यशवन्त यादव, सानो पाइलाका संस्थापक कञ्चन झा, वीरगंज उद्योग वाणिज्य संघका वरिष्ठ उपाध्यक्ष माधव राजपाल लगायतकाको सहभागिता रहेको थियो ।

यसैबीच भारतको अयोध्यास्थित राममन्दिरबाट आएको टोलीले वीरगंजको घडिअर्वा स्थित राममन्दिरको अवलोकन गरेको छ । टोलीले राममन्दिरको विभिन्न पक्षका बारेमा जानकारी लिएको थियो । सो क्रममा वीरगंज महानगरपालिकाका प्रमुख राजेशमान सिंहले टोलीलाई राम मन्दिरको बस्तु स्थितिका बारेमा जानकारी गराएका थिए ।

भारतीय ‘रिपु राज ब्राण्ड’ चामल उद्योगमा आयकरको छापा



मधेशहट्टि वीरगंज । भारतीय सहर रक्सौल, मोतिहारी, पटना र दिल्लीमा चामल उत्पादनमा चर्चित ‘रिपु राज ब्राण्ड’ चामल उद्योगमा भारतको आयकर विभागले छापा मारेको छ । करिब ४० ओटा सवारी साधनसहितको टोलीले अचम्मको शैलीमा छापा माउँदै उद्योगको लेखा

जोखा जाँच गरेको छ । आयकर विभागको टोली जनतीको ब्यानर झुण्ड्याएर उद्योग परिसरमा प्रवेश गरेको थियो । यो अनौठो शैलीले सबैलाई चकित पारेको छ । छापा मार्ने कार्य उद्योगले छोटो समयमा अत्यधिक सम्पत्ति आर्जन गरे पनि कर तिर्ने प्रक्रिया पूरा नगरेको आशंकामा गरिएको

हो । आयकर विभागले उद्योगको वित्तीय अभिलेख र सम्पत्तिको स्रोतमाथि गहन अनुसन्धान थालेको छ । प्रारम्भिक अध्ययनका क्रममा उद्योगले ठूलो मात्रामा कर छलेको हुनसक्ने अनुमान गरिएको छ । यस घटनाले स्थानीय उद्योगी तथा व्यवसायीहरूमाझ ढास र चासो दुवै सिर्जना गरेको छ ।

सरकारको कडा कदमले कर सम्बन्धी नियम पालना गर्न दबाब सिर्जना गरेको बताइन्छ । उद्योग क्षेत्रमा करसम्बन्धी अनुशासनलाई थप कडा बनाउन यसले सकारात्मक प्रभाव पार्ने आशा गरिएको छ । आयकर विभागले अनुसन्धानपछि थप विवरण सार्वजनिक गर्ने बताएको छ ।

मन्त्री क्षेत्रीद्वारा कृषि ज्ञान केन्द्रको निरीक्षण



मधेशहट्टि सिरहा । मधेश प्रदेश सरकारका कृषि तथा भूमि सुधार मन्त्री जनार्दन सिंह क्षेत्रीले सिरहास्थित कृषि ज्ञान केन्द्रको निरीक्षण तथा अनुगमन गरेका छन् । शनिबार कार्यालय निरीक्षणका

अवसरमा मन्त्री क्षेत्रीले कार्यालयले अधिल्लो आर्थिक वर्षमा सम्पन्न गरेका मुख्य उपलब्धी र चालु आर्थिक वर्षको योजना तथा कार्यक्रमहरुको बारेमा जानकारी पनि लिएका थिए । कृषिमन्त्री क्षेत्रीले कृषि क्रान्तिको लागि प्राविधिम जोड

दिँदै मधेश सरकारले काम गरिरहेको बताए । उनले मधेश प्रदेशमा कृषि विद्युतिकरणको कार्यपनि अगाडि बढिसकेको जानकारी गराए । अनुगमनमा मन्त्री क्षेत्रीसँगै मन्त्रालयका सचिव विनय कर्णलगायतको सहभागिता रहेको थियो ।

बिआरआई सम्झौता स्वाधीनतामा हस्तक्षेपको संकेत भएको अभियानको जिकिर

मधेशहट्टि काठमाडौं ।

राष्ट्रिय एकता अभियानले प्रधानमन्त्री केपी शर्मा ओलीले चीन भ्रमणका क्रममा बेल्ट एन्ड रोड इनिशिएटिभ सम्झौता (बिआरआई) अन्तर्गतको फ्रेमवर्क सम्झौतामा हस्ताक्षर गरेर नेपाललाई सम्भावित ऋणको जालोमा फसाउने खतरा बढाएको र त्यो नेपालका लागि दीर्घकालीन आर्थिक संकट र स्वाधीनतामा हस्तक्षेपको संकेत हुनसक्ने बताएको छ । अभियानका अध्यक्ष विनय यादवले एक विज्ञप्ति जारी गर्दै बिआरआई सम्झौतालाई ‘भ्रमणको सबैभन्दा विवादास्पद पक्ष’ भनेका छन् । चीन भ्रमणले नेपाल–चीन सम्बन्धलाई सुहृद बनाउने अपेक्षा गरिएकोमा उल्टै भ्रमणको परिणामले नेपालको दीर्घकालीन स्वाधीनता, आर्थिक स्वावलम्बन र कूटनीतिक प्राथमिकताहरूमाथि गम्भीर चुनौती खडा गरेको पनि अध्यक्ष यादवको कथन छ । ‘बिआरआई परियोजनामा नेपालले बिना विस्तृत अध्ययन र बहुस सहभागी हुने निर्णय गरेको देखिन्छ । श्रीलंका र माल्दिभ्स जस्ता देशहरूले यस्ता परियोजनाका कारण ठूलो आर्थिक संकट झेलिसकेका उदाहरण नेपालका लागि चेतावनी हुनुपर्छ’, अभियानले भनेको छ । संसदमा छलफल नगरी र पारदर्शिताविना सम्झौतामा हस्ताक्षर गरिएकोले नेपालको आर्थिक र राजनीतिक भविष्यलाई संकटतर्फ धकेल्न सक्ने उल्लेख गर्दै अध्यक्ष यादवको विज्ञप्तिमा भनिएको छ, ‘यसप्रकारको हस्ताक्षरलाई राष्ट्रघातको रूपमा लिइनुपर्ने भन्दै आलोचना भइरहेको छ ।’ भ्रमणका क्रममा प्रधानमन्त्रीले चीनसँगको सीमा विवादबारे कुनै चर्चा नगर्नु गम्भीर कूटनीतिक असफलता भएको अभियानको ठहर छ । रसुवागढी क्षेत्रलगायतका विवादित भूभागहरूमा चीनको अतिक्रमणबारे स्पष्ट रूपमा आवाज नउठाइएको र भारतसँगका सीमा विवादमा स्पष्ट अडान लिने सरकार चीनसँग भने मीन देखिएकाले नेपालको सीमा सुरक्षा र भू–राजनीतिक स्वाधीनतामा सरकारको प्रतिबद्धताप्रति गम्भीर प्रश्न खडा भएको अभियानले जनाएको छ । ‘चीनसँग पोखरा अन्तर्राष्ट्रिय विमानस्थल निर्माणका लागि लिएको



उच्च व्याजदरको ऋणलाई अनुदानमा रूपान्तरण गर्ने विषय भ्रमणको प्राथमिकतामा हुनुपर्ने थियो । तर, प्रधानमन्त्रीले यो विषयमा कुनै पहल नगर्नु नेपालको वित्तीय हितविपरीत देखिन्छ । ऋणको भारले देशको आर्थिक स्थायित्वलाई खतरामा पार्नसक्ने स्थिति आउनसक्ने चिन्ता व्यक्त भइरहेको छ’, अभियानको विज्ञप्तिमा उल्लेख छ । नेपालको आर्थिक विकासका लागि महत्त्वपूर्ण हुन सक्ने व्यापारिक नाकाहरू पुनः सञ्चालन र सिगत्से–केरुङ–काठमाडौं रेलवे परियोजनाको ठोस कार्ययोजना अघि बढाउन पनि प्रधानमन्त्रीको भ्रमण असफल भएकाले भ्रमण औपचारिकतामा मात्र सीमित भएको अभियानको जिकिर छ । प्रधानमन्त्री ओलीले चीनसँग गरिएका सम्झौताहरूलाई गोप्य राख्दै संसद र जनतालाई जानकारी नदिएकोले पारदर्शितामा गम्भीर प्रश्न उठेको, राष्ट्रिय

हित र स्वाधीनतालाई प्राथमिकतामा राख्नुपर्ने अवस्थामा सरकारले स्पष्ट रणनीति र पारदर्शिता देखाउन नसकेको अभियानले जनाएको छ । विज्ञप्तिमा भनिएको छ, ‘राष्ट्रिय एकता अभियान सरकारलाई बिआरआई सम्झौताका सबै विवरण सार्वजनिक गर्न, चीनसँग सीमा विवादमा स्पष्ट पहल गर्न र पोखरा विमानस्थलको ऋणलाई अनुदानमा रूपान्तरण गर्न दबाब दिन आह्वान गर्दछ । साथै, राष्ट्रिय हित र स्वाधीनतामा आँच आउने कुनै पनि सम्झौताबाट सरकारलाई तत्काल पछि हट्न अनुरोध गर्दछ ।’ नेपालको स्वाधीनता, आर्थिक स्थायित्व, र कूटनीतिक सन्तुलन जस्ता संवेदनशील मुद्दाहरूमा सरकारको निष्क्रियताले देशको भविष्यलाई खतरामा पारेको यो अवस्थामा, नागरिक समाज, संसद, र जिम्मेवार निकायहरूले कडा कदम चाल्नुपर्ने तथा सरकारका हरेक निर्णय राष्ट्रिय हितको रक्षा गर्ने दीर्घकालीन दृष्टिकोणमा आधारित हुनुपर्ने पनि अभियानको धारणा छ ।

ब्लड बैंकको मोबाइल एप सञ्चालन



मधेशहट्टि वीरगंज । वीरगंजस्थित रक्त सञ्चार केन्द्र(ब्लड बैंक)ले सफ्टवेयर जडान गरी मोबाइल एप सञ्चालनमा ल्याएको छ । सञ्चार प्रविधिको बढ्दो प्रयोगसँगै रक्त सञ्चार सेवालालाई पनि अत्याधुनिक, व्यवस्थित, पारदर्शी तथा डिजिटलाइज गर्न ब्लड बैंकमा सफ्टवेयर र मोबाइल एप सञ्चालनमा ल्याइएको हो । नेपाल रेडक्रस सोसाइटी पर्सा शाखाले सञ्चालन गरेको ब्लड बैंकमा सञ्चालनमा ल्याइएको सफ्टवेयर र मोबाइल एपको उद्घाटन गर्दै रेडक्रस सोसाइटी पर्साका सभापति वीरेन्द्र राज कँडेलले सफ्टवेयर र मोबाइल एपले रक्त सञ्चार र रक्तदान अभियानलाई थप प्रभावकारी

बनाउन सहयोग गर्ने विश्वास व्यक्त गरे । वीरगंजमा रगतको सहजताका लागि करिब ४ देखि ५ सय भन्दा बढी संघसंस्थाहरूले खेलेको भूमिका र नियमित रूपमा रक्त संकलन गरी महत्त्वपूर्ण भूमिका निर्वाह गर्ने सम्पूर्ण संघसंस्थाहरूलाई धन्यवाद दिँदै उनले सफ्टवेयर तथा मोबाइल एपबाट सहज ढंगले रगत व्यवस्थापनमा मद्दत पुग्ने बताए । ब्लड बैंक अत्रतगत रक्त संचार सेवालालाई अत्याधुनिक तथा प्रविधि मैत्री बनाउने उदेश्यले ब्लड बैंकमा सफ्टवेयर तथा मोबाइल एप सञ्चालन गरिएको उनले बताए । रक्त सञ्चार केन्द्रका प्राविधिक प्रमुख सौरभराज पाण्डेका अनुसार, रक्त सञ्चार सफ्टवेयर अन्तर्गत सम्पूर्ण

डाटावेश, रक्तदान गरेका व्यक्तिलाई धन्यवाद, जन्मदिनमा शुभकामना सहित एसएमएस नोटिफिकेसन, स्वचालित बिलिङ सिस्टम र बिल प्रिन्ट गर्न मिल्ने छ । यस्तै व्यक्तिगत युजर तथा पासवर्ड, ल्याब रिपोर्ट, डोनर कार्ड, डोनर सर्टिफिकेट तथा नगद भौचर ईमेलमार्फत पठाउन मिल्ने, डोनर सर्टिफिकेट प्रिन्ट गर्न मिल्ने, रगत एक्सपाइरी सिस्टम, अनलाईन एक्सेस, निरीक्षण र नियन्त्रण हुने, मोबाइल एप मार्फत रक्तदाताहरूले आफ्नो मोबाइलमा व्यक्तिगत विवरण हेर्न, डोनर कार्ड र सम्बन्धित पालिका अन्तर्गत रहेका रक्तदाताहरूको नाम, सम्पर्क नम्बर उपलब्ध गराइने पाण्डेले जानकारी दिए ।

वीरगंज भन्सार कार्यालयका प्रमुख भन्सार प्रशासक दीपक लामिछानेले थप दुई घण्टा विस्तारित समयमा बैंक, क्वारेन्टाइनलगायत सबै सेवा थप हुने जानकारी दिए । वीरगंज भन्सार कार्यालय मातहत एकैकृत जाँचचौकी र सिर्सियास्थित सुर्खवाबन्दरगाह भन्सार कार्यालय छन् । वीरगंज उद्योग वाणिज्य सङ्घका वरिष्ठ उपाध्यक्ष हरि गौतमले भन्सारको सेवा थप भएसँगै जाँचपासका लागि थप दुई घण्टा सेवा विस्तार गर्ने निर्णय गरेको हो ।